सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 65 | जौनपुर, बुधवार, 23 अक्टूबर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बजरंग पुनिया ने किसान कांग्रेस के कार्य कारी अध्यक्ष का पदभार संभाला

नई दिल्ली, एजेसी। पहलवान बजरंग पुनिया ने मंगलवार को किसान कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर पदभार ग्रहण कर लध्यिा। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में उनके पदभार ग्रहण करने के दौरान किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखपाल खैरा, कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा, पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह, विधायक विनेश फोगाट, किसान कांग्रेस के वाइस चेयरमैन अखिलेश शुक्ला और अनंत दहिया मौजूद रहे। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने कहा कि अब बजरंग पुनिया कांग्रेस पार्टी में नई भूमिका अदा करेंगे और देश के किसानों एवं खेत मजदूरों की आवाज को बुलंद करेंगे। देश के नौजवानों और किसानों को पुनिया से बहुत उम्मीदें हैं। सैलजा ने कहा कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था का आधार किसान और खेत मजदूर हैं, लेकध्नि भाजपा सरकार उनके प्रति उदासीन है। हरियाणा और पंजाब की मंडियां बदहाली की शिकार हैं। बजरंग पुनिया को शुभकामना देते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा कि आज देश में राजनीतिक तौर पर किसानों की लड़ाई लड़ने की जरूरत है।

यूपी की प्रगति संतोषजनक पर संभावनाओं को देखते हुए पर्याप्त नहीं - योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक नारा हमेशा प्रचलित रहा है, रोटी कपड़ा और मकान। कपड़ा जीवन की आवश्यकता है और किसान की आमदनी बढ़ाने के साथ रोजगार का सशक्त माध्यम है। यूपी की प्रगति पहले की तुलना में संतोषजनक हो सकती है लेकिन यूपी की संभावनाओं को देखते हुए अपर्याप्त है। सिल्क एक्सपो भी इसका माध्यम बने इसलिए आह्वान करूंगा। मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को लखनऊ के इंदिरानगर में सिल्क एक्सपो के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर वाराणसी और भदोही के आसपास आजमगढ़ से मुबारकपुर

तक के कई जिलों में सिल्क क्लस्टर डेवलप करने के लिए केंद्र ने कदम बढ़ाए हैं। काशीधाम बनने के बाद बनारसी साड़ियों की मांग में बहुत वृद्धि हुई है। पीएम मित्र पार्क टेक्सटाइल पार्क एक हजार एकड़ में विकसित होने जा रहा है लेकिन कच्चा माल हमें ही तैयार करना होगा। किसान के लिए असीम संभावनाएं हैं। बस्ती, गोरखपुर और देवीपाटन सही कई मंडलों में रेशम उत्पादन बढ़ेगा। यूपी का क्लाइमेट जोन अलग अलग है। ऐसे में यहां हर तरह के रेशम उत्पादन की अच्छी संभावनाएं हैं। अगर बनारसी साड़ी सहित अन्य रेशम उत्पाद को प्रदेश में सस्ता कच्चा माल मिलेगा तो बहुत विकास होगा। मार्केटिंग से लेकर डिजाइनिंग तक के लिए सरकार आपके साथ है। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने अपने परंपरागत उत्पाद के लिए नई पॉलिसी बनाई, जिसे एक जिला एक उत्पाद का नाम दिया। सरकार ने इसे उत्पादन, पैकेजिंग, मार्केटिंग और डिजाइनिंग से जोड़ा है। यूपी में 75 से ज्यादा उत्पादों को जीआई टैग मिला है। पिछली सरकारों की उपेक्षा का दंश यूपी के पारंपरिक उत्पादों को झेलना पड़ा। आज अलग जिलों के अलग उत्पाद ग्लोबल प्लेटफार्म में यूपी की पहचान मजबूत कर रहे हैं। सिल्क क्लस्टर यूपी में बनाना होगा। किसानों को रेशम मित्र के रूप में पहचान दिलाएंगे।

भारत ब्रिक्स को बहुत महत्व देता है – मोदी

नई दिल्ली, एजेसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मंगलवार को रूस के कजान की दो दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत इस समूह को अत्यधिक महत्व देता है। अपने प्रस्थान से पहले एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस के कजान के लिए रवाना हो रहा हूं। भारत ब्रिक्स को बहुत महत्व देता है और मैं विभिन्न विषयों पर व्यापक चर्चा की आशा करता हूँ। मैं वहाँ विभिन्न नेताओं से मिलने के लिए भी उत्सुक हूँ। पीएम मोदी के हवाले से कहा, मैं 16वें ब्रिक्स शिखर

सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूसी संघ के राष्ट्रपति महामहिम श्री व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर कजान की दो दिवसीय यात्रा पर आज रवाना हो रहा हूं। भारत ब्रिक्स के भीतर घनिष्ठ सहयोग को महत्व देता है, जो वैश्विक विकास एजेंडा, सुधारित बहुपक्षवाद, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक सहयोग, लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण, सांस्कृतिक और लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने आदि से संबंधित मुद्दों पर बातचीत और चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरा है।

उत्तर प्रदेश उपचुनाव के लिए भाजपा ने तय किए उम्मीदवारों के नाम – भूपेंद्र सिंह चौधरी

नई दिल्ली, एजेसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जल्द ही उत्तर प्रदेश में उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम का ऐलान करेगी। यूपी के भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने बताया है कि उपचुनाव के लिए भाजपा ने उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की राज्य कोर कमेटी ने विधानसभा के उपचुनाव के प्रत्याशियों के नाम तय और प्रस्तावित कर दिए हैं। मुझे उम्मीद है कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने भी इसे मंजूरी दे दी है। जल्दी ही हम लोग पार्टी के प्रत्याशी घोषित करके पूरी ताकत के साथ विधानसभा के उपचुनाव में जाएंगे। राम गोपाल यादव ने कहा है कि ही बहराइच में जो घटना हुई है वह भारतीय जनता पार्टी ने कराई है। इस सवाल के जवाब में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जितने भी दंगे हुए हैं और आप इतिहास देखेंगे तो, समाजवादी पार्टी के समय पूरा प्रदेश दंगाइयों के हवाले रहा। हमेशा सरकार और समाजवादी पार्टी के लोग दंगाईयों के साथ खड़े रहे। यह उनका इतिहास है और उसके अनुभव के आधार पर राम गोपाल जी बोल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सात साल में कहीं भी एक भी दंगा नहीं हुआ।

स्वतंत्रता के इतिहास के साथ छेड़छाड़, वंचितों को नहीं मिला श्रेय - उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ स्थित राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय में आयोजित प्रथम दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की और गोल्ड मेडलिस्ट छात्रों को पुरस्कृत किया। समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि स्वतंत्रता के इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई और वंचितों को श्रेय नहीं मिला। दुर्भाग्य है कि स्वाधीनता की लड़ाई में योगदान देने वाले महान नायकों की प्रेरक कहानियों का हमारी पाठ्य पुस्तकों में अब तक कोई उल्लेख नहीं है। यह दर्दनाक है कि स्वतंत्रता के इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई और वंचितों को इसका श्रेय नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों को चरित्र निर्माण की धुरी बनना होगा। प्राचीन काल से ही

भारत में शिक्षा को महत्ता दी गई है। शिक्षा व्यावसायीकरण से प्रेरित नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शिक्षा प्रणाली को बदलने के लिए एक दूरदर्शी रोडमैप है। युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम के वास्तविक नायकों के बारे में जागरूक करना हमारा परम कर्तव्य है। यह सुखद है कि हाल के दिनों में हम पूरे देश में अपने गुमनाम नायकों या सुप्रसिद्ध नायकों का जोरदार जश्न मना रहे हैं। इतिहासकारों की अगली पीढ़ी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान इस पीढ़ी को प्रेरित करें। धनखड़ ने कहा कि सभ्यताएं और संस्थाएं अपने नायकों से जीवित रहती हैं। राजा महेंद्र प्रताप सिंह स्वतंत्रता संग्राम के एक नायक थे, जिन्हें हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में जगह दी जानी चाहिए थी। उनके जैसे नायकों के बलिदान के कारण ही आज हम एक स्वतंत्र वातावरण में जी रहे हैं। स्वतंत्रता संग्राम में राजा महेंद्र प्रताप सिंह के योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि 1915 में सिंह ने काबुल में भारत की पहली अस्थायी सरकार की स्थापना की थी, जो स्वतंत्रता उद्घोष करने का एक बहुत बढ़िया विचार था। उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को याद करते हुए कहा कि हमें अपने नायकों को पहचानने में इतना समय क्यों लगा। डॉ. अंबेडकर को सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' देर से दिया गया। वर्ष 1990 में डॉ अंबेडकर, और 2023 में चौधरी चरण सिंह तथा कर्पूरी ठाकुर को सम्मानित किया गया।

वायनाड के लिए प्रियंका गाँधी से अच्छा कोई और प्रतिनिधि नहीं हो सकता – राहुल गाँधी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के केरल में वायनाड संसदीय क्षेत्र से नामांकन दाखिल करने से एक दिन पूर्व मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने पूर्व निर्वाचन क्षेत्र की सराहना करते इस सीट के लिए कांग्रेस महासचिव को सबसे अच्छा प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि वह कल्पना नहीं कर सकते कि वायनाड के लिए उनकी बहन से अच्छा कोई और प्रतिनिधि हो सकता है। नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि प्रियंका गांधी वायनाड की जरूरतों की एक जुनूनी पैरवीकार और संसद में एक शक्तिशाली आवाज होंगी। गांधी ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कहा, "वायनाड के लोगों के लिए मेरे दिल में एक विशेष स्थान है, और मैं अपनी बहन प्रियंका गांधी से बेहतर उनके लिए किसी और प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, "मुझे विश्वास है कि वह वायनाड की जरूरतों की जोशीली पैरोकार और संसद में एक शक्तिशाली आवाज साबित होंगी। आप लोग कल, 23 अक्टूबर को हमारे साथ जुड़ें, जब वह वायनाड लोकसभा क्षेत्र के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। साथ मिलकर, आइए सुनिश्चित करें कि वायनाड का प्यार से प्रतिनिधित्व होता रहे। प्रियंका गांधी के बुधवार को नामांकन दाखिल करने के मौके पर उनके साथ कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और श्री गांधी भी मौजूद रहेंगे। राहुल गांधी के उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट को बरकरार रखने का फैसले के बाद वायनाड सीट रिक्त हो गयी थी।

प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं ने अमित शाह को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह का मंगलवार को 60वां जन्मदिन है। इस अवसर पर देश के राजनेताओं ने गृह मंत्री को शुभकामनाएं दी हैं। पीएम नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर समेत देशभर के कई बड़े अमित शाह को जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। पीएम मोदी ने अमित शाह को जन्मदिन की बधाई देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ष्अमित शाह को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। वे एक मेहनती नेता हैं, जिन्होंने अपना जीवन भाजपा को मजबूत करने में समर्पित कर दिया है। उन्होंने एक असाधारण प्रशासक के रूप में अपनी पहचान बनाई है और विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए कई प्रयास कर रहे हैं। मैं उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गृह

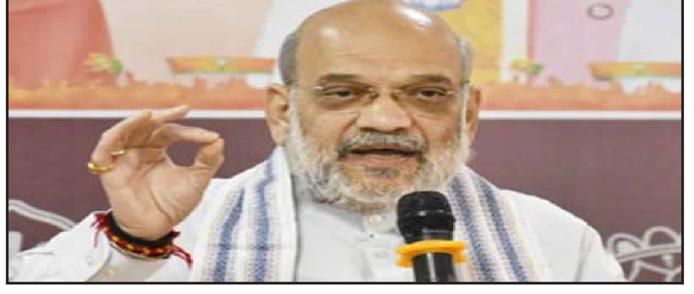

मंत्री को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जी को उनके जन्मदिवस के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं। राष्ट्र की सुरक्षा, विकास एवं सशक्तिकरण में आपका योगदान बहुमूल्य है। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की प्रार्थना करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गृह मंत्री ने एक्स पर लिखा, अत्यंत कर्मठ एवं परिश्रमी नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। वे भारत की आंतरिक सुरक्षा को सशक्त करने में पूरे मनोयोग से जुटे हुए हैं। भारत और भाजपा दोनों के विकास एवं उत्थान में जिस तरह का परिश्रम वे कर रहे हैं, वह सराहनीय है। मैं उनके दीर्घायु होने और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की बधाई दी है। पोस्ट कर लिखा, अनुशासन और परिश्रम की जीवंत प्रतिमूर्ति, करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत, सहकारिता से समृद्धि की भावना को निरंतर साकार करने वाले लोकप्रिय जन नेता केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई।

अखिलेश यादव माफिया और दंगाइयों पर कार्रवाई से विचलित होते – केशव प्रसाद

हरदोई, संवाददाता। यूपी के हरदोई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सोमवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर तीखा हमला किया। बहराइच में हाल ही में हुए दंगों के संदर्भ में प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश जी को बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है। जिनके शासन काल में उत्तर प्रदेश एक भी दिन दंगा मुक्त नहीं रहा, उन्हें यह शोभा नहीं देता। केशव प्रसाद मौर्य ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करेगा, तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जब गुंडे, माफिया और दंगाईयों पर कार्रवाई होती है, तब अखिलेश यादव विचलित हो जाते हैं। जिस दिन माफिया और दंगाई सपा का हाथ छोड़ देंगे, उस दिन सपा समाप्त हो जाएगी। अखिलेश जी गुंडे, अपराधी और माफियाओं के सरगना हैं। जब वह भाजपा के बारे में बोलते हैं, तो उन्हें अपने शासनकाल का इतिहास याद नहीं आता। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां अपराध होता है, वहां किसी न किसी सपा नेता का हाथ होता है। वहीं, रायबरेली में हुई हत्या पर प्रियंका गांधी की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें वायनाड में चुनाव लड़ने के लिए कहें, हम रायबरेली को संभाल लेंगे। सपा नेता रामगोपाल यादव के दावों पर उन्होंने कहा कि 2014 से उनके सभी दावे असफल हो चुके हैं। 2017 में उन्होंने सत्ता में आने का दावा किया, लेकिन विफल रहे। 2019 में सपा और बसपा का गठबंधन भी फेल हो गया।

शानदार जल प्रबंधन के लिए यूपी को मिला राष्ट्रीय जल अवार्ड, राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

लखनऊ, संवाददाता। 22 अक्टूबर जल प्रबंधन और जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय जल पुरस्कार से नवाजा गया है। ग्रामीण इलाकों में घर–घर तक नल कनेक्शन पहुंचाने के साथ जल संरक्षण और जल प्रबंधन के क्षेत्र में शानदार काम के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में उत्तर प्रदेश को देश में दूसरा स्थान मिला है। मंगलवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित पांचवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार कार्यक्रम में राष्टपति द्रोपदी मुर्मु ने उत्तर प्रदेश को इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश की ओर से नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव और आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह ने

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से राष्ट्रीय जल पुरस्कार ग्रहण किया। सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में उड़ीसा को पहला और गुजरात एवं पुडुचेरी को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान मिला। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने हर घर तक नल से जल पहुंचाने की मुहिम में किए गए कार्यों और और जल संरक्षण की दिशा में किए गए अभिनव प्रयोगों की तारीफ की। कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने भी उत्तर प्रदेश द्वारा बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में घर–घर तक नल कनेक्शन पहुंचाने और जल संरक्षण की दिशा में किए गए कार्यों को सराहा। जल संरक्षण और जल प्रबंधन के साथ–साथ उत्तर प्रदेश ने 2023 में सबसे तेजी से राज्य के 17900 गांवों को हर घर नल से जल पहुंचाने का कीर्तिमान स्थापित किया था। 2023 में डायरेक्टर ग्राउंड वॉटर और सचिव नमामि गंगे रहते हुए डॉ बलकार सिंह ने जल संरक्षण और जल प्रबंधन के लिए कई अभिनव प्रयोग किए थे। जिसका लाभ जल प्रबंधन के साथ–साथ किसानों को सिंचाई में भी मिला। प्रदेश में सिंचाई की व्यवस्था बेहतर करने के लिए कुल 6000 से अधिक चेक डैम और 1000 तालाबों का निर्माण किया गया। इसके अलावा जल संरक्षण के लिए 31360 सरकारी भवनों पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण किया गया। 2022 से 2023 में 5 ब्लॉक अतिदोहित और क्रिटिकल श्रेणी से हटाए गए। साथ ही 34 शहरों के औसत भूजल स्तर में सुधार हुआ। प्रदेश में 27,368 पारंपरिक जल निकायों का पुनरोद्धार किया गया। 17279 अमृत सरोवरों का निर्माण कराया गया।

दिल्ली में भारत–सिंगापुर रक्षा वार्ता, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर होगा विचार

नई दिल्ली, एजेसी। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सिंगापुर के रक्षा मंत्री डॉ. एनजी इंग हेन भारत–सिंगापुर रक्षा मंत्रियों की वार्ता की सह–अध्यक्षता करेंगे। यह भारत–सिंगापुर रक्षा मंत्रियों की छठी वार्ता है। यह वार्ता मंगलवार को नई दिल्ली में होनी है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाना है। दोनों पक्ष साझा हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान–प्रदान करेंगे। भारत और सिंगापुर एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं। द्विपक्षीय रक्षा संबंध इस सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। भारत और सिंगापुर के बीच होने वाली चर्चाओं में विविधता आई है। इसमें व्यापक संपर्क, मिलिट्री–टू–मिलिट्री आदान–प्रदान, उच्च–स्तरीय यात्राएं, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण कार्यक्रम, संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में सहयोग, समुद्री जहाज की यात्राएं शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय का

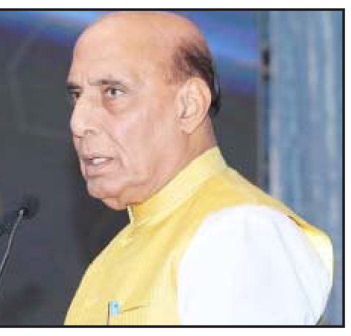

कहना है कि सिंगापुर भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का एक प्रमुख स्तंभ है और इंडो–पैसिफिक विजन का एक महत्वपूर्ण भागीदार है। दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा साझेदारी हिंद–प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता का एक महत्वपूर्ण कारक है। सिंगापुर के रक्षा मंत्री 21 से 23 अक्टूबर तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। भारतीय वायु सेना और सिंगापुर वायु सेना ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के कलाईकुंडा वायु सेना स्टेशन पर संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास का 12वां संस्करण भी शुरू किया है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के संवाद की बात की जाए।

संपादकीय

फिर से परिभाषित करना

तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से वर्तमान समय और भविष्य समय एक दूसरे में विलीन होने को तैयार हैं विजय गर्ग शिक्षण पद्धतियां और कार्यस्थल की मांगें तेजी से विकसित हो रही हैं, जिससे शैक्षणिक संस्थान बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने वाले नए प्रतिमानों को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। अब यह तेजी से पहचाना जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रौद्योगिकी का उपयोग सीखने की प्रकृति को बदल देगा, जैसा कि पिछले 100 वर्षों में कुछ चीजों में हुआ है। यदि कोई छह या सात दशक पहले वापस जाए तो परिवर्तन की मूल प्रकृति और उसकी गति कोई नई बात नहीं है। डिजिटलीकरण प्रक्रिया ने अंकों को सीखने की प्रकृति को बदल दिया है। कैलकुलेटर के उपयोग ने गुणन सारणी को याद करना काफी हद तक अप्रासंगिक बना दिया है। एक बड़ा बदलाव आया जिसने हर गुजरते दशक के साथ इसकी पहुंच और गहराई को बढ़ाया है। कैलकुलेटर से लेकर कम्प्यूटरीकरण और कम्प्यूटरीकरण दक्षताओं के लगातार ऊपर की ओर बढ़ने से न केवल तालिकाएँ और एल्गोरिदम केवल मामूली रूप से प्रासंगिक हो गए, बल्कि लॉग तालिकाएँ भी इतिहास का विषय बन गईं। कक्षा और परीक्षा हॉल में एक यांत्रिक उपकरण की अनुमति देने में कुछ प्रारंभिक अनिच्छा के बाद, सीखने की प्रकृति को नई वास्तविकताओं के साथ समायोजित किया गया। मशीन से जुड़ी वास्तविकता नया प्रतिमान बन गई। सीखने की प्रकृति धीरे–धीरे लेकिन निश्चित रूप से किसी की स्मृति के माध्यम से काम करने से लेकर मशीनों और उनके एल्गोरिदम के अभ्यस्त होने तक बदल गई। मानसिक सहयोग पर वापस लौटने से मशीन–आधारित समाधानों की ओर रुझान बदल गया। प्रौद्योगिकी में बदलाव के लिए भी सीखने की जरूरत है लेकिन एक अलग क्रम की। रोजगार बाजार में बने रहने के लिए विशेषज्ञता के दोहरेपन की मांग अधिक थी। वास्तव में, मशीनें बोलने के तरीके में एक–दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने लगीं और इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण रूस में जेट विमान (इलुशिन) के निर्माण में उपयोग की जाने वाली विभिन्न प्रौद्योगिकी मोड और बोइंग विमान में उपयोग की जाने वाली तकनीक होगी। नई वास्तविकताओं की आवश्यकता है जिसे श्नया सीखनाश कहा जा सकता है, उसके प्रति नया दृष्टिकोण। अंकगणित, गणित और बहुत कुछ पढ़ाने की प्रकृति में बदलाव आया और कक्षा में कई क्रांतियों से भी बड़ी क्रांति आ गई। इस क्रांति की प्रकृति महत्वपूर्ण थी क्योंकि यह एक सतत क्रांति थी और आज, यह सीखने वाले को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विभिन्न रूपों के माध्यम से भी सामना करती है। यांत्रिक खोज की धारणाओं ने न केवल जानकारी की खोज में क्रांति ला दी है, बल्कि फैंसी ड्राइंग रूम में विश्वकोश को सजावट का सामान भी बना दिया है। वे अब, शायद, इस बात का प्रदर्शन बन गए हैं कि बहुत समय पहले सीखना कैसा हुआ करता था। इन सबका न केवल कक्षा पर बल्कि कार्यस्थल पर भी प्रभाव पड़ता है। इसकी सटीक अभिव्यक्ति स्पष्ट नहीं है, लेकिन हंगामा जारी है। जबकि पहले शिक्षण संस्थाएं इस बात पर बराबर ध्यान देती थीं कि कैसे पढ़ाया जाए। अब फोकस इस बात पर भी बराबर है कि क्या पढ़ाना है और कैसे पढ़ाना है। कक्षा और कार्यस्थल दोनों में दबाव समान रूप से तीव्र है, जो एक आदर्श बदलाव की मांग करता है। शिक्षण संगठनों के लिए वास्तविक चुनौती प्रतिमान परिवर्तन को मूर्त रूप देने में है। स्वयं को यह याद दिलाना उपयोगी होगा कि शिक्षण संगठन कोई नई बात नहीं है। एक प्रस्ताव के रूप में, स्वयं को पुनः अविष्कृत करते रहने की आवश्यकता आम हो गई है। बहुत पहले नहीं, दिमाग को खुला रखने पर ध्यान केंद्रित किया जाता था। उनमें से अधिकांश अब लगभग एक नए प्रतिमान में बदल गया हैरू दिमाग को बढ़ते रहना। कौशल और दक्षताओं को बढ़ाना एक शिक्षण संगठन का एक परिभाषित गुण बना हुआ है। यह बस हैस्वयं को केवल शदिमाग को खुला रखनेश तक ही सीमित रखना संभव नहीं है। आज, सीखने के लिए प्रौद्योगिकी के नए और उभरते पैटर्न की सराहना करने की क्षमता की आवश्यकता होती है। बहुत पहले नहीं, मशीन के उपयोग के लिए साक्षरता महत्वपूर्ण थी क्योंकि किसी को वर्णमाला का अध्ययन करना पड़ता था। अब स्थिति उस संदर्भ में पहुंच गई है जहां भले ही किसी के पास वर्णमाला को पंच करने की क्षमता न हो, वह मशीन में बोल सकता है और मशीन उसका अनुपालन करेगी। फिलहाल, यह प्रक्रिया प्रारंभिक चरण में है, लेकिन जिन समस्याओं से निपटना है, वे दिन–ब–दिन बढ़ती जा रही हैं। सीखने के दायरे में बदलाव महत्वपूर्ण है क्योंकि अगर कोई लिखने में सक्षम हुए बिना भी समस्याओं को हल कर सकता है, तो वास्तव में सीखने के पूरे प्रतिमान में एक क्रांति आ जाएगी। इसलिए, एक शिक्षण संगठन का प्रस्ताव कई मूलभूत सुधारों से गुजर रहा है। 20वीं सदी में एक समय था जब प्रौद्योगिकी ने दूरी की प्रकृति को बदल दिया था, और अब प्रौद्योगिकी के प्रति एक उभरता हुआ दृष्टिकोण प्रतीत होता है जो समय की प्रकृति को ही बदल सकता है। वर्तमान समय और भविष्य का समय तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से एक–दूसरे में विलीन होने के लिए तैयार हैं, जिससे व्यक्ति को टाइम मशीन से गुजरने की अनुमति मिलती है, भले ही अस्थायी रूप से ही सही। ये मौलिक अभिधारणाएं हैं और हम वर्तमान में जो करने में सक्षम हैं, उससे कहीं अधिक गहराई से पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

जम्मू-कश्मीर में सौहार्दपूर्ण सुरक्षा से भारत को लाभ

आदित्य

उमर अब्दुल्ला एक बार फिर पारदर्शी, स्वतंत्र और विश्वसनीय चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से जम्मू–कश्मीर सरकार के प्रमुख के रूप में हॉट सीट पर आसीन हुए हैं। कई लोगों ने टिप्पणी की है कि यह कोई मायने नहीं रखता कि जम्मू–कश्मीर में कौन सत्ता में आया। इस तरह की चुनावी प्रक्रिया बिना किसी हिंसा या पुनर्मतदान के छद्म युद्ध क्षेत्र में की जा सकती है, यह अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र ने क्या हासिल किया है। कई बार हमें बैठकर यह देखने की जरूरत होती है कि हमने बिना ज़्यादा आलोचना और नकारात्मकता के क्या सही किया, भले ही जेड–मोड़ पर हमला एक बाद की घटना है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जब भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय दुनिया भर में संघर्षों में हस्तक्षेप करता है, तो उसका लक्ष्य प्रतियोगियों के बीच एक कमी लाना और फिर चुनाव कराना होता है, ताकि लोगों की चुनी हुई सरकार सत्ता में आ सके। ऐसा अक्सर सफलतापूर्वक नहीं होता है और अगर होता भी है, तो यह शायद ही कभी टिक पाता है। कंबोडिया और मोजाम्बिक संयुक्त राष्ट्र के हस्तक्षेप के दो अच्छे उदाहरण थे और दोनों में भारतीय शांति सेना की मौजूदगी थी। जम्मू–कश्मीर में हाल ही में हुए संसदीय और विधानसभा चुनावों को संघर्ष प्रबंधन के भारतीय मॉडल की सफलता के दृष्टिकोण से परखा जाना चाहिए, जो लगभग सभी अन्य मॉडलों से बेहतर है। हम शायद ही कभी खुद को इसका श्रेय देते हैं, लेकिन यह कोई एक एजेंसी या डोमेन नहीं है जो एक समय में असंभव प्रतीत होने वाले कार्य को प्राप्त करने में सफल रहा हैय यह भारतीय प्रणाली और इसका समझौतावादी दृष्टिकोण है जिसकी कई लोग आलोचना करते हैं। 1989–90 में हमने जिस माहौल का सामना किया, उस पर विचार करें। सीमा पार से प्रायोजित एक उग्रवाद जो आतंक के दायरे में चला गया, एक अल्पसंख्यक का एक आभासी नरसंहार बेदखल होना, असहाय प्रशासन की निगाहों के सामने, अत्याचारों की बाढ़, पहाड़ों से घुसपैठ के रास्ते राजमार्गों में बदल जाना, और सड़कों पर सैनिकों और पुलिसकर्मियों के खून के लिए चीखती जनता। एक खुश विरोधी अपनी करतूतों को उम्मीद से परे सफल होते देख रहा है, उसकी आधी सेना जर्ब–ए–मोमिन नामक एक बड़े अभ्यास में तैनाती क्षेत्रों में बैठी है। यह जनवरी–फरवरी 1990 की बात है। हमने अप्रशिक्षित सैनिकों को भर्ती किया और क्रूर शक्ति का इस्तेमाल किया, जो आग को बुझाने के लिए जरूरी था। सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (।थ्ैच्।–1990) केंद्रीय बलों को अतिरिक्त शक्तियाँ देने के लिए बनाया गया था। यह राष्ट्र–विरोधी ताकतों द्वारा प्रचार उपकरण के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले विवादास्पद साधन के रूप में मौजूद है। हमने इसका विरोध किया और सेना के सशक्तीकरण को बनाए रखा, जिसके बिना यह कार्य लगभग असंभव होता। हमने स्थानीय विद्रोह के शुरुआती चरणों को हराया, लेकिन बढ़ते अलगाव के खिलाफ कुछ नहीं कर सके। विरोधी ने घुसपैठ के राजमार्गों पर सैकड़ों की संख्या में विदेशी आतंकवादियों को भर्ती किया। फिर हमने सेना से ही एक विद्रोह–रोधी और आतंकवाद– रोधी बल बनाया और इसे राष्ट्रीय राइफल्स कहा, जो हमारे सबसे साहसिक सैन्य प्रयोगों में से एक था। यह सीआई और सीटी ग्रिड में स्थायित्व लाने के कारण सफल हुआ, जहां पहले की इकाइयां बसने से पहले ही बदल जाती थीं। सैन्य और अर्ध–सैन्य अभियानों के इस क्षेत्र को स्थिरीकरण

के लिए स्थायित्व की आवश्यकता थी। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने दिन–प्रतिदिन अधिक अनुभव प्राप्त किया और किसी भी अन्य की तरह प्रभावी और वफादार साबित हुई। इसने विशेष अभियान समूह का गठन किया, जिसने आरआर के साथ मिलकर काम किया, जिससे उसे स्थानीय लाभ मिला और इस तरह खुफिया जानकारी को बल मिला। बाद में, सेना ने जाकर प्रादेशिक सेना (होम एंड हर्थ) इकाइयों का गठन किया, जिसमें मिट्टी के बेटों की अवधारणा थी, जिसने हमारे प्रभाव संचालन के रूप में गांवों और छोटे शहरों तक सीधे पहुंच बनाने में मदद की। स्थानीय सेना रेजिमेंट, जेएंडके लाइट इन्फैंट्री ने स्थानीय सैनिकों के माध्यम से संपर्क और आउटरीच सुविधा प्रदान की, जिनमें से कई को इसके परिणाम भी भुगतने पड़े। काफी पहले, वरिष्ठ पदानुक्रम ने महसूस किया कि स्थानीय आबादी को गुरुत्वाकर्षण के केंद्र के रूप में विचार किए बिना छद्म युद्ध को नियंत्रित नहीं किया जा सकता था। वर्ष 1996–97 महत्वपूर्ण थे। हमने हमें अलोकतांत्रिक और मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वाला बताने के अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का डटकर मुकाबला किया। 1996 के चुनाव और सत्ता में आई सरकार ने दुनिया को भारत के इस कथन पर उचित संदेश दिया कि ऐसी स्थितियों से कैसे निपटा जाएगा। 1997 में, सुप्रीम कोर्ट ने सेना को ।थ्ैच्। के तहत ऑपरेशन के संचालन में क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, इसकी एक सूची सौंपी। साथ ही, हमने ऑपरेशन सद्भावना शुरू किया, जो स्थानीय प्रशासन को विकास कार्यों में सहायता करने और उन लोगों तक पहुँचने के लिए एक सैन्य नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम था जहाँ आतंकवाद का बोलबाला था। इसके तहत, 43 सद्भावना स्कूल और सैकड़ों संयुक्त सेना–नागरिक चिकित्सा शिविर, मोतियाबिंद शिविर, शेष भारत में आकांक्षापूर्ण यात्राएँ, युवा सशक्तिकरण, खेल योजनाएँ और बहुत कुछ आयोजित किया गया। इससे संघर्ष की स्थितियों का मानवीयकरण हुआ। यह सब मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों के विरुद्ध था। यह एक ऐसा दृष्टिकोण था जिसका दुनिया में कहीं भी हाइब्रिड युद्ध की स्थितियों में शायद ही कभी पालन किया जाता है, सिवाय शायद मलायन आपातकाल से निपटने में ब्रिटिश मॉडल के। लाइव खेल ऑनलाइन देखें आतंकवाद में वृद्धि और 'आंदोलनकारी आतंक' जैसे नए मॉडलों को अपनाने पर कड़ी निगरानी रखी गई।

उच्च शिक्षा संस्थानों में कर्मचारियों की आवधिक समीक्षा

विनोद

संदिग्ध नियम और कानून जिनका दुरुपयोग किया जा सकता है, उनकी संख्या बढ़ती जा रही है। अब केंद्र द्वारा वित्तपोषित उच्च शिक्षा संस्थानों को अपने कर्मचारियों की समय–समय पर समीक्षा करनी होगी और जो भी व्यक्ति ष्संदिग्ध निष्ठाष्, अकुशल या सरकारी कर्मचारी के अनुचित आचरण का दोषी पाया जाएगा, उसे सेवानिवृत्त कर देना होगा। इसी तरह के आदेश मंत्रालयों और सरकारी विभागों को कार्रवाई के लिए और उनके अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और स्वायत्त एजेंसियों को भी लागू करने के लिए जारी किए गए हैं। यह एक व्यापक नियम है जो तभी प्रभावी होगा जब संस्थानों के पास स्वायत्तता नहीं रह जाएगी। उदाहरण के लिए, उच्च शिक्षा संस्थानों के पास पहले अपने स्वयं के सेवा नियम थे। लेकिन पिछले दशक में, उनमें से अधिकांश को शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दबाव में केंद्रीय सिविल सेवा आचरण नियमों को स्वीकार करना पड़ा है। हालाँकि नया नियम शिक्षकों पर लागू किया जाना है, लेकिन समीक्षा में कुछ भी अकादमिक नहीं होगा। शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता अप्रासंगिक हो जाती है।

इसके बजाय, समीक्षा के लिए तीन शीर्ष सभी व्यक्तिपरक हैं यहां तक ध्यकि अकुशलता के लिए भी वस्तुनिष्ठ मानदंडों की आवश्यकता नहीं लगती है। लेकिन संदिग्ध निष्ठा का पहला शीर्ष शायद सबसे अस्पष्ट है। इसे जानबूझकर खुला छोड़ दिया गया है, क्योंकि आरोप संदेह की अनुमति देता है, हालांकि इसे नकारात्मक रूप से लागू किया जाता हैरू किसी व्यक्ति की ईमानदारी संदेह के दायरे में आती है। किस तरह की ईमानदारी का उल्लेख किया जा रहा है? ईमानदारी पेशेवर या व्यक्तिगत या दोनों हो सकती है। क्या इसका मतलब यह है कि कोई शिक्षक अपना काम नहीं कर रहा है या वह धन का गबन कर रहा है? या शिक्षकों पर अपनी व्याख्याओं से छात्रों को गुमराह करने का आरोप लगाया जा सकता है? विशुद्ध रूप से व्यक्तिपरक मानदंडों के माध्यम से, उन शिक्षकों को दंडित करना संभव है जो सरकार की नीतियों से सहमत नहीं हैं या जिनका शोध सरकार की सुविधा के विरुद्ध है। हाल ही में, एक प्रसिद्ध विश्वविद्यालय के शिक्षक को इस्तीफा देना पड़ा क्योंकि उनका पेपर 2019 के चुनावों में हेरफेर पर था। ऐसा लग सकता है कि सरकार नए नियम के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से ऐसे परिणामों को औपचारिक रूप दे रही है। सरकारी कर्मचारी के लिए अनुचित आचरण भी उतना ही अस्पष्ट है। एक बार फिर, यह स्पष्ट नहीं है कि यह आचरण पेशेवर है या उससे अधिक। इनमें से किसी भी आवश्यकता की कोई परिभाषा नहीं है, इसलिए शिक्षकों को सेवानिवृत्त करने का विकल्प खुला छोड़ दिया गया है। विश्वविद्यालय स्वतंत्र सोच के लिए सबसे शक्तिशाली क्षेत्र प्रदान करता है। यह नियम इसे नष्ट करने तथा आलोचनात्मक जांच और असहमति को चुप कराने के लिए एक और हथियार प्रदान करता है।

इजरायलियों के लिए अस्थायी राहत

ललित

7 अक्टूबर, 2023 के हमले की साजिश रचने वाले हमास नेता याह्या सिनवार के खात्मे पर इजरायल में जश्न मनाना कुछ इजरायलियों की राहत की अभिव्यक्ति है। क्या सिनवार की मौत का मतलब इजरायल की जीत है? हमास के हाथों में अभी भी सौ से ज़्यादा बंधक हैं। हमास का भर्ती अभियान ष्लंबे युद्धष् के लिए पूरे जोरों पर है। क्या इजरायल के पास उस युद्ध के लिए दमखम है? बमबारी और विनाश मिशन आसान हैं क्योंकि ऐसे युद्ध के लिए पुनःपूर्ति अमेरिका के ष्सैन्य औद्योगिक परिसरष् के पास आसानी से उपलब्ध है। वास्तविक जरूरत पैदल सैनिकों और जमीनी आक्रमण के लिए सैन्य गियर की है। इनकी कमी है क्योंकि अमेरिका जमीन पर सैनिकों को भेजने के लिए अनिच्छुक है। इजरायल और उसके अमेरिकी संरक्षकों को यह सबक सीखना चाहिए कि हवाई हमले राष्ट्रों को नष्ट करने के लिए अच्छे हैं, लेकिन गाजा या लेबनान में राष्ट्रवाद से लड़ने में यह बेकार है। बेरूत में हसन नसरल्लाह की मौत ने इसी तरह दक्षिण लेबनान में प्रतिरोध को हवा दी। क्या आईडीएफ जमीन पर हिज़्बुल्लाह प्रतिरोध को तोड़ने में सक्षम था? लेबनानी कहते हैं कि इजरायल को अपने अनुमान से ज़्यादा मृत और घायल सैनिकों को ले जाना पड़ रहा है। ऐसा सिर्फ इसलिए हुआ क्योंकि लेबनान में प्रवेश करने के लिए इजरायली सैनिकों को जिस इलाके से गुजरना पड़ता है, वह 120 किलोमीटर की ब्लू लाइन से सटा हुआ है, जिस पर संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) नजर रखता है। मैं आपको ब्लू लाइन का अपना अनुभव बताता हूँ, जब 2002 में भारत के मेजर जनरल ललित मोहन तिवारी बल के कमांडर थे। एक भारतीय पत्रकार और मेरे कैमरा क्रू के तौर पर मेरे लिए एक अतिरिक्त फायदा यह था कि 900 सैनिकों वाली एक भारतीय बटालियन अपनी खुद की कमान वाली चेन के साथ यूएनआईएफआईएल के अधीन काम करती थी। यूएनआईएफआईएल का मुख्यालय नकौरा में था, जो 1,060 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में ब्लू लाइन के बीच बल की कमान थी, जो इजरायल और लेबनान के बीच एक तरह की सीमा थी। जनरल तिवारी का घर हाइफा में था, जो इजरायल का तीसरा सबसे बड़ा शहर है। वे रोजाना नकघैरा और हाइफा के बीच आते–जाते थे। भले ही मुख्यालय दक्षिण लेबनान में था, लेकिन हाइफा में बल कमांडर के बेस ने इजरायलियों को नियंत्रण का अहसास दिलाया होगा। आज स्थिति अलग है। हाल ही तक, बल कमांडर आयरिश था, जो गाजा में नरसंहार की आलोचना करने वाला देश था। यह धारणा कि पूरा यूनिफिल क्षेत्र शिया है, गलत है। जबकि इसका अधिकांश हिस्सा शिया और संभवतः हिजबुल्लाह है, ईसाई महापौरों द्वारा निगरानी किए जाने वाले कई गाँव हैं। भारतीय बटालियन एक गाँव में थी, जिसके महापौर ने हमें एक शाम व्याख्यान दिया कि कैसे उनके गाँव को दुनिया की सबसे अच्छी अरक बनाने वाली जगह के रूप में जाना जाता है। एक शिया मुस्लिम गाँव अपने अरक का घमंड नहीं कर सकता। यह एक ईसाई गाँव था। यूनिफिल में प्रतिनिधित्व करने वाले 40 देशों ने चारों ओर फैली 50 चौकियों पर तैनात थे। भयंकर लड़ाई के कारण स्पष्ट रूप से आईडीएफ को "नरम" बिंदुओं की तलाश है, जहाँ से वह अपनी पैठ बना सके। आज, यूनिफिल को इसलिए नहीं नकारा जा सकता क्योंकि इजराइल को यह असुविधाजनक लगता है। एकमात्र महाशक्ति का क्षण बीत चुका है। जनरल तिवारी ने इजराइलियों के साथ–साथ हिजबुल्लाह पक्ष के साथ भी एक प्रशंसनीय व्यवहार किया। उन्होंने हिजबुल्लाह सुप्रीमो हसन नसरल्लाह से मिलने के लिए मेरा मामला भी आगे बढ़ाया। साक्षात्कार तो नहीं हुआ, लेकिन जनरल तिवारी ने मुझे हिजबुल्लाह के एक अधिकारी से मिलवाया, जिसने कहा, ष्मुझे कोशिश करने दीजिए।ष् जो हुआ, वह एक गुप्त और खध्तरनाक घटना थी, जो दहिह के एक साधारण अपार्टमेंट ब्लॉक में शुरू हुई, जो हाल ही में काफी चर्चा में रहा। कटी हुई दाढ़ी वाले एक स्मार्ट युवक ने मुझे एक और बड़ी कार में बिठाया। उसने माफी मांगी कि हमारी कैमरा टीम को मेरे साथ जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। आखिरकार मुझे एक बड़े पर्दे से अलग एक तहखाने में ले जाया गया और साक्षात्कार के लिए व्यवस्थित दो सोफे में से एक पर बैठने के लिए आमंत्रित किया गया। अंत में, एक दयालु दिखने वाला आदमी, ग्रे दाढ़ी, भूरे रंग का गाउन और सफेद पगड़ी मेरे सामने आकर बैठ गया। यह नसरल्लाह नहीं बल्कि उनके लंबे समय के डिप्टी, नईम कासिम थे। 1979 में पश्चिम के सहयोगी ईरान के शाह के पतन के बाद इस क्षेत्र का इतिहास नाटकीय रूप से बदलने लगा था। तेहरान में अयातुल्लाओं का एकीकरण इजरायल के रक्षा मंत्री एरियल शेरोन के 1982 में लेबनान में मार्च करने के कारणों में से एक था, जिसने बदले में हिजबुल्लाह के विकास को बढ़ावा दिया। यह वह पृष्ठभूमि थी जिसके खिलाफ सीरिया और ईरान 1985 में नाटकीय 17 दिनों के दौरान एक साथ काम करने में सक्षम थे जब आतंकवादियों (कोई नहीं जानता था कि कौन) ने एथेंस से रोम जाने वाली ॅ। की उड़ान को बेरूत में उतरने के लिए मजबूर किया था। 36 पश्चिमी बंधकों की रिहाई के लिए बातचीत करने के लिए, ईरान की मजलिस के अध्यक्ष हाशमी रफसनजानी और सीरिया के उपराष्ट्रपति अब्दुल हलीम खद्दाम ने लेबनान के सबसे प्रभावशाली शिया नेता, लेबनानी संसद के अध्यक्ष नबी बेरी के साथ अपने कौशल का इस्तेमाल किया। उन्होंने बंधकों की रिहाई की व्यवस्था करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बेरी की संसदीय राजनीति लेबनान के भीतर से इजरायल की आक्रामकता के प्रति नसरल्लाह की सैन्य प्रतिक्रिया और लेबनान, सीरिया, गाजा और वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनी ठिकानों पर लगातार हमलों से प्रभावित हुई – इन सभी ने प्रतिरोध समूहों को बढ़ावा दिया।

भ्रष्टाचार से कांग्रेस ने सबक नहीं सीखने की ठान ली

योगेंद्र

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही है। सिद्धारमैया और उनकी पत्नी बीएन पार्वती पर मैसूरु के विजयनगर क्षेत्र में 14 प्लॉट आवंटित किए गए प्लॉट को लेकर सवाल उठे थे। सिद्धारमैया की पत्नी ने प्लॉट लौटाने की पेशकश की थी। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के कारण देशभर में हुई बदनामी से सत्ता गंवाने के बावजूद सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस के केंद्र और ज्यादातर राज्यों से सत्ता बाहर होने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार रहा है। इसके बावजूद कांग्रेस के नेता भ्रष्टाचार से दामन नहीं छुड़ा पाएं हैं। कर्नाटक कांग्रेस की सरकार के जमीनों में बंदरबांट इसका नया उदाहरण है। इसके चलते मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मारी गौड़ा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उल्लेखनीय है कि उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएन पार्वती और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ चल रहे भूमि घोटाले की जांच राज्य और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही है। सिद्धारमैया और उनकी पत्नी बीएन पार्वती पर मैसूरु के विजयनगर क्षेत्र में 14 प्लॉट आवंटित किए गए प्लॉट को लेकर सवाल उठे थे। सिद्धारमैया की पत्नी ने प्लॉट लौटाने की पेशकश की थी। जिसे वापस लेने पर प्राधिकरण ने सहमति जताई। मुख्यमंत्री के जमीन आंवटन में हेराफेरी की जांच के बीच मल्लिकार्जुन खडगे ने कर्नाटक द्वारा आवंटित जमीन लौटा दी। यह विवाद मार्च 2024 में शुरू हुआ, जब कर्नाटक कांग्रेस सरकार ने राहुल खडगे की अध्यक्षता वाले सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को जमीन दी। विचाराधीन भूमि मल्लिकार्जुन खडगे के बेटे राहुल एम खडगे को कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) द्वारा बगलूर में हाई–टेक डिफेंस एंड एयरोस्पेस पार्क के हार्डवेयर क्षेत्र में आवंटित की गई थी। कांग्रेस का शायद ही ऐसा कोई वरिष्ठ नेता होगा जिस पर भ्रष्टाचार के आरोप और मामले दर्ज नहीं किए गए हैं। पार्टी में कनिष्ठ से लेकर शीर्ष तक के नेताओं के खिलाफ गंभीर मामले चल रहे हैं। यहां तक कि पार्टी चलाने वालीं पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी भी जमानत पर चल रहे हैं। भ्रष्टाचार के मामलों को देखें तो दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के बड़े कांग्रेस नेता सीबीआई, इनकम टैक्स और ईडी जैसी एजेंसियों के निशाने पर हैं। हालांकि कांग्रेस अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार करती रही है। पार्टी का कहना है कि बीजेपी की मोदी सरकार राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है। करोड़ों की एंबुलेंस खरीद में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के पुत्र कार्ति चिदम्बरम, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ए.ए खान, श्वेता मंगल, शफी माथेर और निदेशक एन आर एच एम के विरूद्ध 2013 तक एनआरएचएम के तहत एंबुलेंस खरीदने में हुई धांधली का मामला दर्ज किया गया था। एंबुलेंस खरीदने के लिए जो टेंडर जारी किया गया, उसमें गड़बड़ी की गई थी। इस मामले में 31 जुलाई 2014 को जयपुर के अशोक नगर थाना पुलिस ने जयपुर नगर निगम के पूर्व मेयर पंकज जोशी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। कर्नाटक में कांग्रेस के दिग्गज नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति दर्ज करने का मामला चल रहा है। 2017 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने डीके शिवकुमार के 64 ठिकानों पर जबर्दस्त छापेमारी की थी। टैक्स चोरी की शिकायतों पर यह कार्रवाई हुई थी। उस दौरान डीके शिवकुमार व अन्य कांग्रेस नेताओं ने राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया था। इसी तरह वीरभद्र सिंह हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह के खिलाफ भी केंद्रीय एजेंसियों ने जांच की। सितंबर 2015 में उनकी बेटी की शादी के दिन सीबीआई ने छापेमारी कर खलबली मचा दी थी। कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनीतिक सचिव अहमद पटेल पर इतालवी चॉपर कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से कमीशन लेने के आरोपों की सीबीआई आदि केंद्रीय एजेंसियां जांच कर रही हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी भी फंसे हैं। यह मामला अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी से 36 अरब रुपए के 12 वीआईपी हेलिकॉप्टर खरीदने थे से जुड़ा है। आरोप है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया इस वीआईपी चॉपर खरीद के पीछे अहम भूमिका निभा रही थीं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने इस मामले को पिछली मोदी सरकार में उठाया था, जिसके बाद घमासान मचा था। नेशनल हेराल्ड केस–2011 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता फंसे हैं। आरोप है कि कांग्रेस के पैसे से 1938 में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नाम की कंपनी खड़ी की गई, जो नेशनल हेराल्ड, नवजीवन और कौमी आवाज नामक तीन अखबारों का संचालन करती थी। एक अप्रैल 2008 को सभी अखबार बंद हो गए. इसके बाद कांग्रेस ने 26 फरवरी 2011 को इसकी 90 करोड़ रुपये की देनदारियों को अपने जिम्मे ले लिया था। मतलब पार्टी ने इसे 90 करोड़ का लोन दे दिया। इसके बाद 5 लाख रुपये से यंग इंडियन कंपनी बनाई गई, जिसमें सोनिया और राहुल की 38–38 फीसदी हिस्सेदारी है। बाद में घालमेल कर यंग इंडियन के कब्जे में एजेएल कंपनी को कर दिया गया। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने 90 करोड़ का लोन भी माफ कर दिया। यानी यंग इंडियन को एक प्रकार से मुफ्त में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नाम की कंपनी का मालिकाना हक मिल गया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा पर लंदन में 12, ब्रायनस्टन स्क्वायर में एक संपत्ति की खरीद में मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है, जिसकी अनुमानित कीमत 1.9 मिलियन पाउंड (17 करोड़ से अधिक) है। इस मामले की जांच मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। इसके अलावा हरियाणा में हुड्डा की कांग्रेस सरकार के दौरान वाड्रा–डीएलएफ लैंड डील का बड़ा घोटाला उजागर हुआ था।

अटाला मस्जिद को लेकर वक्फ बोर्ड पीस कमेटी के प्रार्थना पत्र कों सिविल कोर्ट ने किया खारिज

हिन्दू पक्ष में दिया बड़ा आदेश 16 नवम्बर को बयान के लिए कोर्ट में किया तलब

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। दीवानी कोर्ट के सिविल जज जूनियर डिविजन ने जौनपुर अटाला मस्जिद पर सुन्नी वक्फ बोर्ड द्वारा दिया गया 37सी प्रार्थना पत्र को

सिविल जज जेडी सुधा शर्मा की कोर्ट ने बुधवार को खारिज कर दिया। साथ ही लिखित बयान कमीशन रिपोर्ट की सुनवाई के लिए 16 नवम्बर को डेट दिया है। अटाला मंदिर को लेकर कोर्ट में वक्फ बोर्ड और पीस कमेटी बनाम स्वराज वाहिनी ने कोर्ट में एक याचिका डाली थी जिसमें स्वराज वाहिनी ने याचिका में डाला थी जनपद की ऐतिहासिक धरोहर अटाला मस्जिद जो पूर्व में मंदिर था जिस पर वक्फ बोर्ड ने यह शिकायत की थी कि यह मस्जिद वक्फ बोर्ड की संपत्ति है जिसको लेकर यह सुनवाई इस कोर्ट में नहीं हो सकती है। जिस पर सिविल कोर्ट जौनपुर के सिविल जज पर अधिवक्ता सुरेश चंद्र पाठक ने बहस किया। इस मामले में जानकारी स्वराज वाहिनी के अधिवक्ता सुरेश चंद्र पाठक ने बताया कि मस्जिद की तरफ से एप्लीकेशन पड़ी थी यह मामला सुनवाई योग्य नहीं है 1991 में जब अयोध्या का विभाजित ढांचा गिराया गया था तो उसे समय नरसिंग राव की सरकार थी 1947 के पहले जो भी धर्म मस्जिद जैसे थे वह वैसे ही रहेंगे उसी के आधार पर मुस्लिम पक्ष ने यह प्रार्थना पत्र दिया था। जिसे कोर्ट ने मना नहीं है इसलिए नहीं माना इस मंदिर से जब हम हिंदू और सनातन धर्म में पूजा करने वाले लोग बेदखल किए गए थे उस समय से हर घर में अटाला माता की पूजा की जाती है यह वफ बोर्ड की प्रॉपर्टी नहीं है क्योंकि उसे समय जो भी बाहरी आक्रांत आए थे उन्होंने आक्रमण किया था आक्रमणकारी को कोई राइट क्लेम नहीं है जब तक कि उनका उसे पर कोई मालिकाना हक ना हो इस आधार पर कोर्ट ने उनकी बात को नहीं माना है कोर्ट ने कहा कि आक्रमणकारी टोडरमल शाहजहां के समय में जहां इनका खतौनी में नाम दर्ज हुआ था उसमें हमारा मालिकाना हक था उस समय हमारे यहां खतौनी पर नाम दर्ज करने का कोई प्रावधान नहीं था। शाहजहां के समय में यह व्यवस्था हुई थी उस समय उन लोगों का ही शासन था और सारे इस्लामी राजा थे बाद में अंग्रेज आए हमको कभी अवसर मिला नहीं हम अपने घरों में बैठकर उन्हें देवी का प्रतीक मानकर पूजा करते थे शादी विवाह में भी देवताओं को मन से आवाहन कर लिया जाता है उसी के आधार पर हम लोग उनकी पूजा करते थे इसी को लेकर कोर्ट ने यह फैसला दिया है हमें पूजा पाठ करने में कोई व्यवधान न उत्पन्न इसकी विपक्षियों को आगे भी कोर्ट में जाने का अधिकार है इसके पूर्व में भी एक मामले में वह हाई कोर्ट जा चुके हैं जहां से उनका मामला खारिज हो चुका है।

भारत को जानो क्विज प्रतियोगिता में राम जूनियर व जे के पब्लिक स्कूल के छात्र रहे अव्वल

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

भारत विकास परिषद हरदोई द्वारा "भारत को जानो" क्विज प्रतियोगिता का आयोजन, जे.के. सीनियर सेकेंडरी स्कूल हरदोई के सभागार में किया गया। परिषद के प्रान्तीय मार्गदर्शक डॉ सुरेश अग्निहोत्री ने बताया कि ये राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता प्रतिवर्ष भारत विकास परिषद अयोजित कराती है जिसका उद्देश्य छात्रों को भारत की सभ्यता, संस्कृति, संस्कार, प्राचीन विरासत के साथ–साथ भारत के प्रमुख मानबिन्दु तथा सामान्य ज्ञान की जानकारी प्राप्त कराना है। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान करते हुए बच्चों को जीवन में सामान्य ज्ञान के महत्व की जानकारी दी एवं प्रतिदिन पुस्तकों को पढ़ने के लिए पुस्तकालय में निरंतर स्वाध्याय करने की सलाह दी। परिषद के संगठन सचिव गौरव भदौरिया ने बताया कि इसी स्थान पर 08 दिसंबर को प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राम जूनियर हाई स्कूल के छात्र शौर्य अवस्थी, आदित्य मिश्रा ने तथा द्वितीय स्थान सरस्वती विद्या मंदिर के अनवरुल खान, शैलेश कुमार एवं श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल की वर्तिका शुक्ला, अनिमेष गुप्ता तथा तृतीय स्थान जे.के. पब्लिक स्कूल की आयुषी शुक्ला, आराध्या गुप्ता ने प्राप्त किया। सीनियर वर्ग का प्रथम पुरस्कार जे.के. पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के आर्यन मिश्रा, मधुशैल पांडे को तथा द्वितीय पुरस्कार श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल के उज्जवल कुमार चौबे, सूर्यांश त्रिवेदी तथा तृतीय स्थान सरस्वती विद्या मंदिर के लक्ष्य शुक्ला, सुशांत शुक्ला को मिला। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक राजीव मोहन अवस्थी, अध्यक्ष अवध बिहारी मिश्रा, सचिव कैप्टन राम किशोर शुक्ला, अनूप पुरी, नृपेंद्र सिंह, राजवर्धन श्रीवास्तव, श्रवण कुमार राही, प्रदीप गुप्ता एवं संजय टंडन उपस्थित रहे। संचालन विद्यालय प्रवक्ता शुभा दीक्षित, प्रीति सिंह, इन्जिला तबस्सुम, शुभम गुप्ता, सुशील आदि ने किया।

धरना दे रहे शिक्षको द्वारा कुलपति व सिटी मजिस्ट्रेट से वार्ता रही विफल

अयोध्या। बुधवार को अवध विश्वविद्यालय परिसर मे अपनी मांगो को लेकर धरना दे रहे शिक्षको को अपने आवास पर कुछ पदाधिकारियों को वार्ता के लिये बुलाया।इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष प्रो शैलेंद्र वर्मा ने बताया कि वार्ता के दौरान कुलपति द्वारा जो भी बातें की गयी। उन्होंने शिक्षकों के सामने अपनी वही पुरानी बातें रखी। इस संबंध मे शिक्षक संघ के पदाधिकारियो ने बताया कि कुलपति की बातों से स्पष्ट था कि वह शिक्षक हित में बात ना करते हुए शासन प्रशासन के दबाव में मजबूरी में शिक्षकों से बात कर रही हैं।उनकी यह भी कोशिश है कि किसी तरह से दिव्य दीपोत्सव की आड़ में धरना प्रर्दशन समाप्त करवा कर शिक्षको को उनके हाल में रहने पर मजबूर कर दिया जाय।शिक्षक उनसे लिखित आश्वासन की मांग कर रहे थे कि वह उनको बताएं कि किस दिन से उनको न्यूनतम वेतनमान दिया जाएगा इस पर कुलपति महोदया नाराज होकर सभा स्थल से चली गयी।इसी क्रम में जिला प्रशासन की तरफ से सिटी मजिस्ट्रेट को विश्वविद्यालय में वार्ता के लिए भेजा गया।कुलपति से वार्ता करने के बाद सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार मिश्रा ने शिक्षक नेताओं को आमंत्रित किया लेकिन वह भी सिर्फ दिव्य दीपोत्सव की बात करते रहे उन्होंने शिक्षकों की जायज मांगों उनके मौलिक अधिकार उनके द्वारा मांगे गए न्यूनतम वेतनमान के संबंध में अपनी असमर्थता जाहिर की इसके बाद शिक्षकों ने उनसे क्षमा मांगते हुए वार्ता स्थल से बाहर आकर के प्रदर्शन में उपस्थित सभी शिक्षकों को उक्त प्रकरण से अवगत कराया एवं शासन प्रशासन की मंशा के बारे में भी अवगत कराया।तब एक बार पुनः शिक्षकों ने अपनी एकता का प्रदर्शन करते हुए यह निर्णय किया कि हम तब तक अपना प्रदर्शन वापस नहीं लेंगे जब तक हमको न्यूनतम वेतनमान रुपए 57700 नहीं मिल जाता।. इसी क्रम में आवासीय परिसर शिक्षक संघ द्वारा धरना स्थल पर सुन्दर काण्ड का पाठ किया गया जिससे अधिकारियों की मानसिक स्तर का विकास हो सके एवं परिसर में एक बार पुनः सुन्दर महौल बन सके। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष प्रोव शैलेन्द्र वर्मा, महामंत्री डॉ राणा रोहित सिंह , अंशुमान पाठक, त्रिलोकी यादव, आशीष पटेल, विमल यादव, अंकित श्रीवास्तव , अंकित मिश्रा सहित सभी शिक्षक मौजूद रहे।

भगवान चित्रगुप्त जी की शोभा यात्रा, पूजन समारोह 3 नवम्बर को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, राष्ट्रीय संगत पंगत, भगवान चित्रगुप्त पूजन समिति, कायस्थ मंच, विश्व कायस्थ सभा साहित जिले के सभी भगवान चित्रगुप्त संगठन के लोगों की एक बैठक कायस्थ महासभा के जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र श्रीवास्तव के खरका कालोनी आवास पर सम्पन हुआ। बैठक की अध्यक्षता मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट जिलाध्यक्ष कायस्थ महासभा जौनपुर ने किया संचालन अजय वर्मा अज्जू वरिष्ठ नेता संगत पंगत राष्ट्रीय ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय हुआ है जिले नगर में सभी जगहों होने वाले भगवान चित्रगुप्त पूजन में भाग लेंगे एवं सभी भगवान चित्रगुप्त मन्दिर में पूजन किया जाएगा और एक दुपहिया वाहन शोभायात्रा जुलूस निकाली जाएगी। बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष, संरक्षक संगत पंगत संजय श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि सामाजिक संगठन के साथ मिलकर पूजन दुपहिया वाहन शोभायात्रा जुलूस में शामिल होने की अपील किया। जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि 3 नवम्बर को दोपहर 2 बजे बारी नाथ मन्दिर में प्राचीन भगवान चित्रगुप्त मन्दिर में पूजन किया जाएगा फिर दोपहर 3 बजे एक दुपहिया वाहन शोभायात्रा जुलूस निकाली जाएगी जो उर्दू बाजार शाही पुल ओलंदगंज होते हुए भगवान चित्रगुप्त मन्दिर रूहटा तक जाएंगी जहां दिव्य आरती के साथ समापन होगा। राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने कहा कि जो लोग भी कलम का प्रयोग करते है वे सभी भगवान चित्रगुप्त पूजन दुपहिया वाहन शोभायात्रा जुलूस में शामिल होकर कृतार्थ करे भगवान चित्रगुप्त जी सभी धर्म जाती के देवता हैं सभी नगरवासियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने का अनुरोध किया है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि दुपहिया वाहन शोभायात्रा जुलूस के प्रभारीध्संयोजक राकेश श्रीवास्तव साधु राष्ट्रीय सचिव, सुरेश अस्थाना प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए और सह प्रभारीध्सह संयोजक अजय वर्मा अज्जू वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय संगत पंगत, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव राजा, युवा जिलाध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव टी डी बनाए गए। कार्यक्रम मीडिया प्रभारी विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाए गए। वही बारी नाथ मन्दिर में भगवान चित्रगुप्त मन्दिर पूजन समिति के प्रभारी संयोजक राकेश श्रीवास्तव प्रशासनिक अधिकारी प्रदेश उपाध्यक्ष, गिरिजेश श्रीवास्तव रिटायर्ड बैंक अधिकारी प्रदेश संगठन मंत्री एवं सह प्रभारी संयोजक संदीप श्रीवास्तव पत्रकार, आशीष श्रीवास्तव एडवोकेट, राजू जौहरी बनाए गए। शोभायात्रा रथयात्रा प्रभारी अमित श्रीवास्तव एवन साउंड जिला उपाध्यक्ष बनाए गए।दीवानी अधिवक्ता संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण सिन्हा एडवोकेट ने कहा कि सभी लोग अपने परिवार के साथ भगवान चित्रगुप्त मन्दिर बारी नाथ, भगवान चित्रगुप्त मन्दिर रूहटा में शामिल हो। राष्ट्रीय सचिव राकेश श्रीवास्तव साधु प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश अस्थाना प्रदेश संगठन मंत्री उमेश श्रीवास्तव फूफा ने कहा कि कार्यक्रम में सभी संगठनों के लोगो को आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में वरिष्ठ नेता अनूप सिन्हा, अमित श्रीवास्तव , अजय श्रीवास्तव, संतोष निगम, सौरभ श्रीवास्तव अमित श्रीवास्तव अनुपम श्रीवास्तव अजय श्रीवास्तव सुलभ श्रीवास्तव संतोष श्रीवास्तव राकेश श्रीवास्तव प्रदीप श्रीवास्तव अनिल श्रीवास्तव चंद्रमोहन श्रीवास्तव शशि श्रीवास्तव प्रशांत पंकज श्रीवास्तव मनीष श्रीवास्तव कुंवर अस्थाना राजू जौहरी, आशीष जौहरी रवि श्रीवास्तव विनय श्रीवास्तव आतिश श्रीवास्तव सार्थक कपूर श्रीवास्तव, अमूल्य श्रीवास्तव अतुल श्रीवास्तव एडवोकेट, अजय श्रीवास्तव आदि भगवान चित्रगुप्त के भक्त मौजूद रहे।

लक्ष्मण शक्ति का दृश्य देख उपस्थित दर्शकों के भीगे नयन

सुजानगंज, जौनपुर। क्षेत्र के मोहरियाँव ग्राम सभा में आदर्श रामलीला धर्म मंडल समिति मोहरियाँव के तत्वाधान में रामलीला के पांचवें दिन का शुभारंभ मणि शंकर यादव के कर कमलों द्वारा शुरू किया गया। वहीं पर साथ में उपस्थित पूर्व प्रधान श्री रामजी पांडे ने फीता काटकर किया। रामलीला के अन्तिम दिवस पर लक्ष्मण शक्ति अंगद रावण संवाद रावण वध का मंचन किया गया जिसमें लक्ष्मण शक्ति लगते ही भगवान श्री राम के विलाप को सुनते ही लोगों के आंखों में आंसू छलक पड़े वहीं पर अंगद रावण संवाद का भी मंचन किया गया। जिसमें सभी लोगों ने अंगद के पांव को हिलाना चाहा लेकिन कोई हिला नहीं सका फिर अंत में रावण जब पैर पकड़ने चलता है तो अंदर अपने पैर को हटा लेते हैं और बोलते हैं अगर पैर ही पकड़ना है प्रभु श्री राम का पकड़िए जिसके हम दूत बनकर आए हैं अंत में मेघनाथ भी युद्ध में मारा जाता है कुंभकरण जैसे योद्धाओं का पराजित हो जाने के बाद रावण खुद युद्ध करने के लिए पहुंचता है और अंत में भगवान श्री रामचंद्र जी के हाथों से उसका भी उद्धार होता है। जैसे ही रावण का वध हुआ वैसे ही जय श्रीराम जय श्रीराम के जयकारे से पूरा पंडाल भक्ति में हो गया। इस अवसर पर सूर्य मणि दुबे, तिवारी,मयंक मिश्र, कमलेश दुबे, विश्वभर नाथ दुबे, प्रशांत तिवारी,दीपक मिश्र, बड़े चौबे, पवन गुप्ता सहित रामलीला के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। और वहीं पर रामलीला के डायरेक्टर अधिवक्ता सोनू तिवारी ने पुलिस प्रशासन सहित सभी कार्यकर्ताओं के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि बहुत ही सरलता और सहजता के साथ आप सभी के सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कर्म के उद्देश्य ही फल के रूप को निर्धारित करतें है– चित्रलेखा

सुलतानपुर। कथा कराने के पीछे क्या उद्देश्य है उसी पर कथा का फल निर्भर करता है।व्यक्ति के कर्म उसके फल के बड़े कारक है।अच्छे कर्म करने का फल अलग और बुरे कर्म का अलग फल स्वयं जगदीश ने निर्धारित किया है।भगवान ने संसार का ऐसा स्ट्रक्चर बनाया है कि यह पूरा दुखालय है। यहां पग–पग पर दुख ही मिलने है।पर यह स्थाई नही है दुख मे ईश्वर का हाथ पकड़े रहिये फिर सुख भी आयेगाध।उक्त विचार श्रीमद्भागवत महापुराण के चतुर्थ दिवस की कथा में अंतर्राष्ट्रीय कथा व्यास देवी चित्रलेखा ने कही। इस दौरान श्रीमद्भागवत का रसपान पाने के लिए भक्तों का सैलाब कथा स्थल पर उमड़ पड़ा।कार्यक्रम मे पंहुचे भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमापति राम त्रिपाठी, फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल,आर एस यादव जिला सत्र न्यायाधीश लोक अदालत,रामप्रकाश मिश्रा जिलाध्यक्ष अमेठी, सीताराम वर्मा विधायक लंभुआ, राजेश गौतम विधायक कादीपुर, दयाशंकर यादव पूर्व जिलाध्यक्ष अमेठी, डॉ कुंवर बहादुर सिंह ब्लाक प्रमुख लंभुआ आदि ने व्यास पीठ को नमन करते हुए साध्वी का आशीर्वाद लिया। यहाँ देवी चित्रलेखा ने भक्त प्रहलाद गजेंद्र समुंद्र मंथन की कथा सुनाई ।यहाँ मंथन से निकले अमृत को लेकर संघर्ष शुरू हुआ तब नारायण स्त्री स्वरूप लेकर पहुंचे और चालाकी से देवताओ को अमृत पिला दिया। सूर्य व चंद्रमा के बीच छिपे राहु ने अमृत पान कर लिया जिसका सिर नारायण ने सुदर्शन से काट दिया।देवताओं व राक्षसों के

बीच युद्ध शुरू हुआ अब बलि को ठीक करने के लिए नारायण को माता अदिति के यहाँ वामन के स्वरूप में अवतरित हुए। ठुमकी चलत रामचंद्र बाजत पैजानिया से देवी ने मर्यादा पुरुषोत्तम के बाल व्यवहार की चर्चा की। कथावाचक देवी चित्रलेखा ने देवकी और वासुदेव के विवाह, वासुदेव और देवकी के कारागार में डालने, आठवें पुत्र रूप में श्री कृष्ण के जन्म होने व मां विंध्यवासिनी की कथा विस्तार से सुनाई।भागवत पीठ की आरती मे प्रदेश सरकार मे मंत्री गिरीश यादव, डॉ ए.के. सिंह, धर्मेंद्र सिंह बबलू, डॉ शैलेंद्र त्रिपाठी,भाजपा प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी, प्रधान संघ अध्यक्ष मनोज तिवारी, विनोद पांडेय, पूर्व जिला मंत्री महेश सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष यज्ञ प्रसाद सिंह, मंडल अध्यक्ष महावीर श्रीवास्तव,अवधेश शर्मा,रमेश तिवारी, निर्भय सिंह, अरुण द्विवेदी, अजय पाण्डेय, रामतीर्थ तिवारी, राजेश दुबे निर्माण, पूर्व मंडल अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा, यमुना प्रसाद पाण्डेय,उमाकांत शुक्ला आदि रहे।आयोजक भाजपा नेता रामचंद्र मिश्र ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया।

मेदांता अस्पताल ने 52 सफल बोन मैरो प्रत्यारोपण और सेलुलर थेरेपी मामलों में सफलता के साथ एक और कीर्तिमान स्थापित किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रिफ्रैक्टरी ब्लड कैंसर के लिए सीएआर–टी सेल थेरेपी प्रदान करने के साथ ही मेदांता अस्पताल के हेमेटोलॉजी और बोन मैरो प्रत्यारोपण (बीएमटी) विभाग ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस उपलब्ध्धि के साथ मेदांता अस्पताल पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश में रिफ्रैक्टरी ब्लड कैंसर के लिए सीएआर–टी सेल थेरेपी प्रक्रिया में सफलता हासिल करने वाला पहला अस्पताल बन गया है। एनएबीएच द्वारा मान्यता प्राप्त विभाग ने अपनी स्थापना के मात्र डेढ़ वर्षों में 52 बोन मैरो प्रत्यारोपण और सेलुलर थेरेपी के मामलों में कामयाबी हासिल की है। यह उपलब्धि इस क्षेत्र में उन्नत हेमेटोलॉजिकल उपचार के विषय में नेतृत्वकर्ता के रूप में मेदांता की प्रतिष्ठा को और मजबूत करती है। विभाग में एक अत्याधुनिक 10–बेड बीएमटी यूनिट है, जहाँ ऑटोलॉगस और एलोजेनिक बोन मैरो प्रत्यारोपण का प्रबंधन किया जाता है। हाल ही में, विभाग द्वारा रिफ्रेक्टरी एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से पीड़ित मरीज के लिए अपनी पहली सीएआर–टी सेल थेरेपी की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई। इस प्रक्रिया के बाद, रोगी अब कैंसर मुक्त है, यह कामयाब प्रक्रिया विभाग के जटिल मामलों को संभालने में विशेषज्ञता का प्रमाण है। स्थापना के बाद से, विभाग ने विभिन्न कैंसर और

गैर–कैंसर रक्त विकारों के लिए 24 एलोजेनिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण और 26 ऑटोलॉगस स्टेम सेल प्रत्यारोपण किए हैं। इनमें एक्यूट लिम्फो ब्लास्टिक ल्यूकेमिया (10 मामले), एक्यूट माइलॉइड ल्यूकेमिया (8 मामले), मल्टीपल मायलोमा (14 मामले), अप्लास्टिक एनीमिया (5 मामले), थैलेसीमिया (2 मामले), नॉन–हॉजकिन लिम्फोमा (6 मामले) और हॉजकिन लिम्फोमा (6 मामले) शामिल हैं।

मेदांता, लखनऊ में हेमेटोलॉजी और बीएमटी विभाग के प्रमुख डॉ. अंशुल गुप्ता ने विभाग की सफलता पर कहा, 'हमें इतने कम समय में कामयाबी का यह कीर्तिमान बनाने पर गर्व है। हमारी समर्पित टीम सीएआर–टी सेल थेरेपी और हैप्लोआइडेंटिकल बोन मैरो प्रत्यारोपण जैसे अत्याधुनिक उपचार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, ये प्रतिबद्धता पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश में ब्लड कैंसर के खिलाफ लड़ाई में जटिल रक्त विकारों और एडवांस स्तर पर पहुँच चुके ब्लड कैंसर के मरीजों के लिए भी आशा का संचार करती है। विभाग पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश में रिफ्रैक्टरी रक्त कैंसर के लिए सीएआर–टी सेल थेरेपी प्रदान करने वाला पहला अस्पताल है। यहाँ असाधारण परिणामों के साथ 10 हैप्लोआइडेंटिकल बोन मैरो प्रत्यारोपण भी पूरे किये हैं। एनएबीएच द्वारा मान्यता प्राप्त, मेदांता में हेमेटोलॉजी और ऑन्कोलॉजी (पीओएमटी) विभाग स्टेम सेल प्रत्यारोपण करने और सीएआर–टी सेल थेरेपी प्रदान करने के लिए पूरी तरह से तैयार है, जो सभी हेमेटोलॉजिकल रोगों के लिए एक अति आवश्यक उन्नत चिकित्सा सुविधा प्रदान करता है।

दिव्यांगो की भी समाज मे अहम् भूमिका – शिवा कांत द्विवेदी

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। दिव्यांग व्यक्ति को अभिभावक कभी भी कमजोर न समझे।जो काम समाज मे रहकर दिव्यांग व्यक्ति कर लेते है कभी कभी यह काम सामान्य व्यक्ति नही कर सकते है।इसलिए हम लोगों को दिव्यांग व्यक्तियो को समाज में उतना ही सम्मान देना चाहिए जितना कि शारीरिक रुप से सामान्य व्यक्तियों को। यह बातें बुधवार को पुलिस लाइन स्थित कंपोजिट विद्यालय मे दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को जागरूक करने के लिए अभिभावक परामर्श कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला समन्वय समेकित शिक्षा शिवाकांत द्विवेदी ने कहा। इस मौके पर दिव्यांग बच्चो के अभिभावकों को परामर्श देते हुए उन्होंने कहा कि समाज में चाहे प्रशासन हो पुलिस प्रशासन उसमें दिव्यांग लोगों का भी अहम भूमिका है। इस कार्यक्रम में इस कार्यक्रम में दिव्यांग कितने प्रकार के होते हैं,मूलभूत सुविधाओं पर चर्चा किया गया।इसके अलावा वहां पर मौजूद दिव्यांग बच्चो के अभिभावको को विशेष शिक्षक की भूमिका नोडल शिक्षकों की भूमिका दिव्यांकता प्रमाण पत्र कैसे बने पर इस पर विस्तृत चर्चा की गई। वही अभिभावको द्वारा किये गये सवालों का जवाब दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि किसी अभिभावक के पुत्र में कोई एक पुत्र दिव्यांग है तो उसको भी उसी तरीके से सम्मान दे जिस तरीके से सामान्य पुत्रों को देते हैं। जरूरी नहीं पुत्र ही समाज में अच्छा कार्य कर सके इसे कहीं ज्यादा कार्य दिव्यांग पुत्र भी कर सकते हैं। जिसका उदाहरण समाज के कई क्षेत्रों में देखा जा सकता है। इस मौके पर रिसोर्ज शिक्षक गणेश प्रताप सिंह, स्पेशल एजूकेटर कृष्ण चंद्र वर्मा व विकास आर्या मौजूद रहे।

पुलिस ने फ्राड करने वाले एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

अयोध्या। कोतवाली नगर पुलिस ने लोगों का बैंक में खाता खुलवाकर उनके साथ छल करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया।मिली जानकारी के मुताबिक प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्विनी कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त राहुल कुमार विश्वकर्मा पुत्र अनिल कुमार विश्वकर्मा निवासी करहरा कला थाना कोतवाली नगर महोबा,वर्तमान पता कस्बा थाई मिल्कीपुरा थाना कोतवाली नगर महोबा जनपद महोबा को सोमवार को देर रात गिरफ्तार किया।पुलिस ने उनके पास से 02 चेक बुक, 08 बैंक पास बुक, 07, ए0टी0एम0 कार्ड, 01 मोबाइल फोन बरामद किया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किये गये अभियुक्त व्यक्तियों को लालच

देकर छल करके लोगो का खाता खुलवाकर खाते मे पैसा मँगाकर फ्राड करता था।गिरफ्तारी करने वाले पुलिस टीम मे चौकी प्रभारी उ0नि0 धर्मेन्द्र कुमार मिश्र, चौकी प्रभारी साहबगंज,उ0नि0 सन्तोष कुमार मौर्य, चौकी प्रभारी नवीनमंडी उ0नि0 उमेश कुमार वर्मा सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

डॉक्टर ने कहा–तुम तय करोगे हमारी फीस फिर कर दी पिटाई

गोरखपुर, संवाददाता। डॉक्टर के सिर पर हथौड़े से हमला करने के आरोपी सिपाही पंकज कुमार ने कहा कि 3 अक्तूबर को उसने पत्नी व बेटे के साथ गोरखपुर पहुंचकर डॉक्टर अनुज सरकारी को दिखाया। डॉक्टर ने अल्ट्रासाउंड की सलाह दी। रिपोर्ट लेकर पहुंचा तो डॉक्टर से कहा कि खलीलाबाद में 800 रुपये में ही अल्ट्रासाउंड हो जाता है, यहां पर 1100 रुपये लिए जा रहे हैं। इस पर डॉक्टर अनुज नाराज होकर गाली देने लगे। उन्होंने कहा–तुम हमारी फीस तय करोगे। डॉक्टर की तेज आवाज सुनकर बाहर से उसके कर्मचारी अंदर आ गए और सबने मिलकर उनकी पिटाई शुरू कर दी। डॉक्टर पर हमले करने के आरोप में रविवार को जमानत पर जेल से बाहर आए पंकज कुमार सोमवार को अस्पताल में घटी घटना की आपबीती सुना रहे थे। उन्होंने कहा कि 3 अक्तूबर को पत्नी व बच्चे के सामने बेरहमी से उनकी पिटाई की गई। पिटाई देख पत्नी अदिती और बेटा शिवम बिलखकर रो रहे थे। उनके सिर में दो जगहों पर चोटें आईं। वह किसी प्रकार उनसे बचकर कैंट थाने पहुंचे और घटना की शिकायत की। पुलिस ने जिला अस्पताल ले जाकर मुलाहिजा (मेडिकल) कराया और बाद में घर भेज दिया। इस दौरान अस्पताल में उनकी पत्नी का दो साल से चल रहे इलाज की फाइल, आधार व पैन कार्ड छूट गया। पैन और आधार तो बन जाता, लेकिन इलाज की रिपोर्ट व डॉक्टरों की पर्ची नहीं बन पाती। वह दूसरे दिन 4 अक्तूबर को फाइल लेने अस्पताल पहुंचे। इस दौरान उसने पीआरवी बुलाई, ताकि कोई उसपर हमला न कर सके। पीआरवी के आने वह अस्पताल में पहुंचे। डॉक्टर की केबिन में अभी पहुंचे ही थे कि उन्होंने देखते ही कहा– मारो इसे यह दोबारा आ गया।

पूर्व कार्यकारी डा. सुरेखा पर भी होगी कार्रवाई, पद पर रहते हुए इस दुरुपयोग का लगा आरोप

गोरखपुर, संवाददाता। एम्स की पूर्व कार्यकारी निदेशक (ईडी) प्रो. सुरेखा किशोर पर कार्रवाई तय करने के लिए विजिलेंस की रिपोर्ट के आधार पर 29 अक्टूबर को गवर्निंग बॉडी की बैठक बुलाई गई है। मामले में तत्कालीन डीडीए अश्वनी माहौर, तत्कालीन रजिस्ट्रार कृष्ण प्रताप सिंह, डा. शशांक शेखर और डा. आनंद मोहन दीक्षित को भी आरोपित माना गया है। इन पर भी बैठक में निर्णय लिया जाएगा। एम्स ऋषिकेश से जून 2020 में गोरखपुर एम्स का कार्यकारी निदेशक बनने वाली डॉ. सुरेखा किशोर पर अपने दोनों बेटों डॉ. शिखर किशोर वर्मा और डॉ. शिवल किशोर वर्मा को अपने ही कॉलेज में जेआर पद पर नियुक्ति देने का आरोप था। बताया जा रहा है कि इसके लिए उन्होंने मंत्रालय से भी अनुमति नहीं ली थी।

इसके बाद बेटों ने बिना नौकरी किए ही वेतन भी ले लिया था। एक शिकायत पर विजिलेंस ने जांच कर प्रारंभिक रिपोर्ट स्वास्थ्य मंत्रालय को दी थी, जिसके आधार पर जनवरी 2024 में उन्हें हटाकर एम्स पटना के प्रभारी कार्यकारी निदेशक डॉ. जीके पाल को गोरखपुर के कार्यकारी निदेशक का चार्ज दिया गया। डॉ. जीके पाल भी अक्तूबर में अपने बेटे डॉ. औरव पाल को पीजी कक्षा में नियुक्ति दिलाने के आरोप में हटाए गए।

त्रिभुवन विश्वविद्यालय के साथ संबंधों को मजबूत करेगा डीडीयू

गोरखपुर, संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल काठमांडू, नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय की यात्रा करने जा रहा है। शैक्षणिक यात्रा का उद्देश्य दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य संबंधों को मजबूती प्रदान करने के साथ ही भारत और नेपाल के बीच शैक्षणिक और शोध सहयोग को बढ़ावा देना है। त्रिभुवन विश्वविद्यालय, जो नेपाल के सबसे बड़े विश्वविद्यालयों में से एक है, अंतरराष्ट्रीय "5वां काठमांडू सिम्पोजिया ऑन एडवांस्ड मैटेरियल्स (कसम–2024)" का आयोजन 22–24 अक्टूबर के बीच कर रहा है। सम्मेलन का आयोजन डीडीयू, नेपाल पॉलिमर संस्थान (एनपीआई) और इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिमर वर्कस्टॉफे (आईपीडब्ल्यू), मर्सेबर्ग, जर्मनी के सहयोग से किया जा रहा है। संगोष्ठी में दुनियाभर से विद्वान, शोधकर्ता, छात्र विज्ञान और शोध में नवीनतम प्रगति पर चर्चा करेंगे। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. पूनम टंडन एक मुख्य भाषण देंगी। कुलपति ने इस यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए कहा, त्रिभुवन विश्वविद्यालय के साथ यह साझेदारी हमारे विश्वविद्यालय के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रेमिका से मिलने गए प्रेमी की पिटाई, अस्पताल जाते समय मौत

चंदौली, संवाददाता। चहनियां स्थित बलुआ थाना क्षेत्र के फुलवरिया गांव में सोमवार की देर रात को अपने प्रेमिका से मिलने पहुँचा प्रेमी 18 वर्षीय धीरज कुमार को लड़की के ननिहाल में लोगो ने पीटकर अधमरा कर दिया । ननिहाल के लोगो द्वारा पुलिस को सूचना देने के बाद पहुँची पुलिस ने युवक को चहनियां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा जहाँ हालत गम्भीर देख जिला अस्पताल भेज दिया । जहां रास्ते मे मौत हो गयी । लड़की के भाई ने पीटकर हत्या का आरोप लगाते हुए बलुआ थाने में तहरीर दिया है । घटना की सूचना पर परिजनों में हाहाकार मच गया। मंगलवार को क्षेत्राधिकारी,इंस्पेक्टर ने पहुंचकर पूछताछ किया । मौके पर फोरेंसिंक की टीम भी पहुंचकर जांच पड़ताल किया । हृदयपुर गांव के रहने वाले धीरज कुमार कक्षा 12 का छात्र था। उसके पिता राम सिगार राम सीआरपीएफ में श्रीनगर में एसआई जीडी के पद पर है। इन दिनों छुट्टी पर घर आये है । गांव के ही लड़की पूजा से प्रेम प्रसंग का मामला चल रहा था।

लड़की इन दिनों अपने ननिहाल में थी । सोमवार की देर रात वह अपने प्रेमिका से मिलने सायकिल से उसके ननिहाल कैथी गांव सभा के फुलवरिया गांव में देर रात को गया। घर का दरवाजा खुलते ही लड़की के मामा गौतम, गोबिंद, नानी बादामी देवी व लड़की के पिता रविकांत ने बुरी तरह से पिटाई कर पुलिस को सूचना दिया। लड़की की माता रात में ही लड़के के घर पहुँचकर परिजनों से धीरज के पूछा तो परिजनों ने बताया कि वह छत पर सो रहा है । जब सभी पहुँचे तो लड़का गायब किया । तब लड़की के मां ने बताया कि वह फुलवरिया में है जिसे पीटकर बैठाया गया है । रात में ही मृतक के परिजन भागकर थाने पहुँचे। दूसरी तरफ फुलवरिया गांव में बलुआ एसओ डॉ. आशीष कुमार मिश्रा मय फोर्स पहुँचे तो लड़का आंगन में मरणासन्न की हालत में था। जिसे चहनियां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले आये। हालत गम्भीर देख डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया । जो रास्ते मे मौत हो गयी। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया । लड़के के बड़े भाई नीरज ने बलुआ थाने में हत्या करने का आरोप लगाते हुए पीटकर जान से मारने की तहरीर दिया है । उधर हृदयपुर में मौत की सूचना पर पिता राम सिगार राम,माता धनमत देवी,बड़ा भाई नीरज,बड़ी बहन मोनिका ,दीपिका का रोकर बुरा हाल रहा। मंगलवार की सुबह क्षेत्राधिकारी रघुराज,बलुआ इंस्पेक्टर डॉ0आशीष मिश्रा मय फोर्स पहुँचकर पूछताछ किया। वही फोरेंसिक की टीम फुलवरिया गांव में पहुचकर जांच पड़ताल किया। इस मामले पुलिस ने लड़की ,लड़की की मां गायत्री देवी,लड़की के पिता रविकांत,दोनो मामा गौतम ,गोबिंद व लड़की के नाना रामलाल को थाने में लाकर पूछताछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में बलुआ इंस्पेक्टर डॉ0आशीष मिश्रा ने बताया कि मृतक लड़के के बड़े भाई के तहरीर पर सभी को थाने लाकर पुछताछ किया जा रहा है। जो भी सच्चाई होगी मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई होगी।

मिर्जापुर के सफर पर रवाना हुआ बंगाल गंगा क्रूज, जल परिवहन को दे रहा धार

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी से जल परिवहन को धार देता बंगाल गंगा क्रूज आगे बढ़ा तो हर काई बस इसकी ओर देखता रह गया। काशी से मिर्जापुर के लिए बीस लोगों को लेकर क्रूज रवाना हुआ। बेहतरीन सुविधाओं का क्रूज जल परिवहन को नई तस्वीर प्रदान कर रहा है। आईडब्लूआई वाराणसी यूनिट के प्रभारी आर सी पांडेय ने कहा कि क्रूज संचालन के लिए चार प्रमुख घाटों पर जेट्टी लगाई जाएगी। काशी से प्रयाग तक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इसमें पर्यटक सुविधा केंद्र और कैफेटेरिया जैसी सुविधाएं विकसित किया जाना है। क्रूज के निदेशक राज सिंह ने बताया कि बंगाल गंगा प्रयागराज से कैथी मारकंडेय धाम के बीच चलेगा। इसके लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनो बुकिंग ली जा रही है। पचास हजार के किराए में तीन दिन और दो रात का सफर कराएगा। इसका प्रयोग गंगा में बेहतरीन पांच सितारा होटल की सुविधा के साथ किया जा रहा है। आपको बता दें कि बंगाल गंगा क्रूज का संचालन वाराणसी से चुनार, मिर्जापुर, प्रयागराज के अलावा गाजीपुर और बलिया तक करने की जानकारी मिली है। कहा जा रहा है कि इस क्रूज में पर्यटकों को अलग एहसास हो रहा है। क्रूज की सुविधा पर गौर करें तो इसमें कुल 20 कमरे हैं जिसमें 40 लोग रह पाएंगे। क्रूज के भीतर ही रेस्तरां की सुविधा भी है।

बताते चलें कि आने वाले दिनों में देव दीपावली का पर्व होगा इसके साथ की महाकुंभ का भी भव्य आयोजन प्रयाग में होना है। गंगा में परिवहन को बढ़ावा देने वाला क्रूज काशी और प्रयाग की दूरियों को कम करेगा इसके साथ ही धर्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा।

दोस्तों के साथ गंगा नहाने गए सगे भाइयों की डूबने से मौत, परिवार में मचा को कोहराम

प्रयागराज, संवाददाता। दोस्तों के साथ गंगा स्नान के लिए गए दो सगे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। साथ में गए दोस्त डर के मारे घर भाग आए और परिजनों को सूचना नहीं दी। देर शाम तक घर नहीं पहुंचने पर खोजबीन शुरू हुई तब दोस्तों ने घटना की जानकारी दी। काफी खोजबीन के बाद शव बरामद किया गया। कैंट थाना क्षेत्र के अशोक नगर निवासी राजू पाल के दो पुत्र आयुष (12) और अविनाश (9) की गंगा में डूबने से मौत हो गई। दोनों सोमवार दोपहर बाद कैंट कछार में मोहल्ले के लड़कों के साथ गंगा नहाने गए थे। अचानक दोनों भाई गंगा में डूबने लगे और थोड़ी ही देर में गहरे पानी में समा गए। दोनों को डूबते देख सभी साथी घर भाग आए और डर की वजह से परिजनों को इसकी सूचना भी नहीं दिए। उधर, शाम

तक जब दोनों घर नहीं लौटे तो परिवार के लोग उनके खोजबीन में जुट गए। कहीं पता न चलने पर साथियों से कड़ाई से पूछताछ किए। इसके बाद उन्होंने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पीड़ित परिवार के लोग पुलिस के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और गोताखोरों की मदद से दोनों बच्चों की खोजबीन शुरू कर दी, जहां देर शाम दोनों का शव बरामद किया गया। घटना के बाद परिजनों में चीख पुकार मची है।

साइबर क्राइम के प्रति योगी सरकार की पहल- जागरूक और सतर्क करेगी हैंडबुक

गोरखपुर, संवाददाता। साइबर क्राइम के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए योगी सरकार एक ऐसा हैंडबुक उपलब्ध

करा रही है, जिसमें उन सभी एहतियातों का उल्लेख है, जिन्हें अपनाकर साइबर क्राइम का शिकार होने से बचा जा सकता है। साइबर क्राइम से लोगों को बचाने के लिए सरकार ने कार्यालयों, विद्यालयों और जनसेवा केंद्रों पर साइबर सुरक्षा जागरूकता का विशेष अभियान चलाने के निर्देश जारी किए हैं। सबसे अधिक जोर विद्यालयों में अभियान चलाकर छात्र–छात्राओं को जागरूक करने पर है। इसे लेकर सभी जिलाधिकारियों और पुलिस कप्तानों को प्रमुख सचिव आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स की तरफ से परिपत्र जारी किया गया है। वर्तमान डिजिटल युग में साइबर क्राइम की घटनाएं बढ़ी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे बचने के लिए जरूरी है कि सुरक्षित साइबर गतिविधियों को लेकर पर्याप्त जानकारी रखे। इसे ध्यान में रखकर सरकार ने अक्टूबर माह में मनाए जा रहे साइबर सुरक्षा जागरूकता माह में स्पेशल हैंडबुक उपलब्ध कराने का विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस हैंडबुक में यूपीआई घोटाले, नेट बैंकिंग फ्रॉड, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, आइडेंटिटी थेफ्ट (पहचान की चोरी), निवेश या लॉटरी घोटाले, नौकरी घोटाले, ई कामर्स धोखाधड़ी, सोशल मीडिया फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट कर वसूली, गेमिंग एप फ्रॉड, डेटिंग एप फ्रॉड, फिशिंग फ्रॉड आदि के बारे में जानकारी दी गई है और उनसे बचाव के तरीके बताए गए हैं। आज के दौर में साइबर जगत का इस्तेमाल सबसे अधिक युवा वर्ग द्वारा किया जाता है। ऐसे में साइबर क्राइम का शिकार होने के सर्वाधिक आशंका भी इसी वर्ग की होती है। युवा खासकर गेमिंग एप, आइडेंटिटी थेफ्ट, डेटिंग एप, सोशल मीडिया फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट से वसूली और नौकरी घोटाले की चपेट में आ सकते हैं। इसलिए सरकार इस वर्ग को जागरूक करने पर ज्यादा जोर दे रही है।

इसके पीछे मंशा यह भी है कि युवा साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूक होगा तो वह अपने परिवार के लोगों को भी आसानी से इसकी जानकारी दे सकेगा। इसलिए सरकार ने सभी जिलाधिकारियों और जिले के पुलिस अधीक्षकों को स्कूल–कॉलेजों में विशेष अभियान चलाने के लिए निर्देशित कर चुकी है।

डा. संपूर्णानंद के नाम पर ही है सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम – कमिश्नर

वाराणसी, संवाददाता। सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम आज भी डॉ. संपूर्णानंद के नाम पर ही है। केवल अंदर बनी बिल्डिंग का नाम वाराणसी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स किया गया है। यह कहना है मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा का। उन्होंने कहा कि कुछ लोग काशीवासियों के बीच भ्रम पैदा कर रहे हैं कि सिगरा स्टेडियम का नाम बदल दिया गया है। वहीं, नाम बदला नहीं और धरना–प्रदर्शन किया जाने लगा है। उन्होंने कहा, आज तक स्पोर्ट्स प्राधिकरण ने नाम बदलने की कोई सिफारिश नहीं की है। साजन तिराहे से सिगरा जाने वाले मार्ग पर सिगरा स्टेडियम का मुख्य द्वार है। यहां पर मुख्य गेट का निर्माण होना बाकी है। जिसपर डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा नाम रहेगा। मेयर अशोक कुमार तिवारी ने कहा कि डॉ. संपूर्णानंद के नाम पर ही सिगरा स्टेडियम का नाम है। इस प्रकार का भ्रम फैलाने वालों को पूरी जानकारी कर लेनी चाहिए।

नहीं बदला है स्टेडियम का नाम – राज्यमंत्री

उत्तर प्रदेश के स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल ने सिगरा स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम का नाम बदलने पर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम का नाम नहीं बदला गया है। किसी भी बड़े संस्थान के नाम बदलने की एक प्रक्रिया होती है।

स्टेडियम का नाम बदलने से खफा सपा न किया विरोध

डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स सिगरा स्टेडियम का नाम वाराणसी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स करने से खफा सपा ने विरोध जताया। सोमवार को सिगरा स्टेडियम के मुख्य गेट पर धरना देकर पूर्ववत डॉ. संपूर्णानंद के नाम पर करने की मांग की। सपा के स्नातक एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसीएम तृतीय आनंद मोहन उपाध्याय को सौंपा।

चित्रगुप्त सभा काशी ने जुलूस निकालकर जताया विरोध

काशी के समस्त कायस्थ संस्थाओं ने पूर्व मुख्यमंत्री संपूर्णानंद के नाम पर स्थापित सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम का नाम बदलकर वाराणसी स्पोर्ट्स स्टेडियम करने पर विरोध जताया। महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के गेट नंबर एक से पदयात्रा निकालकर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया।

चार इनामी समेत पांच गिरफ्तार, लाखों के आभूषण बरामद

मिर्जापुर, संवाददाता। आस–पास के जिलों के अलावा फ्लाइट से महाराष्ट्र जाकर चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के चार इनामी समेत पांच आरोपियों को चुनार पुलिस ने बीती शाम पचरांव मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से चोरी की 12 घटनाओं के सामान तथा आभूषण आदि के अलावा कार और बाइक बरामद हुई है। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने मंगलवार को पुलिस लाइन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी। उन्होंने बताया कि चुनार व कछवां क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही थीं। भाजपा के काशी प्रांत के अध्यक्ष दिलीप पटेल के घर भी चोरी हुई थी। चोरी की घटनाओं का खुलासा करने के लिए टीम गठित की गई। इस बीच थानाध्यक्ष रविंद्र भूषण मौर्य को मुखबिर से सूचना मिली के कुछ लोग चोरी के सामान बेचने के बारे में बात कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सूचना पर चुनार पुलिस ने सर्विलांस के उप निरीक्षक मानवेंद्र सिंह व एसओजी टीम के साथ सोमवार की शाम पचरांव मोड़ के पास बाइक सवार दो और कार सवार तीन आरोपियों को पकड़ लिया। पकड़े गए लोगों में 25 हजार के इनामी व गिरोह के सरगना नत्थू प्रसाद उर्फ साहिल निवासी भड़ाव थाना जंसा वाराणसी के अलावा आकाश पटेल निवासी मंगलावीर थाना मिर्जामुराद वाराणसी, अमिताभ राजभर निवासी सारंगपुर थाना जंसा, सूरज रामाश्रय यादव निवासी नवापुर बोइसर थाना पालघर महाराष्ट्र और मनोज सेठ निवासी गंगापुर थाना रोहनिया वाराणसी शामिल हैं। मनोज को छोड़कर सभी 25 हजार के इनामी हैं। उन्होंने बताया कि मनोज चोरी का सामान खरीदता था। पुलिस ने सभी के पास से 80 ग्राम सोने के आभूषण, 3.750 ग्राम चांदी के आभूषण, छह चांदी के सिक्का, पीतल के बर्तन 120 किलो, ताला तोड़ने में प्रयोग आने वाला एक सब्बल, एक स्क्रू पेचकस, 3060 रुपये नकद, दो सीसी टीवी डीबीआर, एक बाइक, एक कार बरामद किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूछताछ में चोरी के 12 मामलों का खुलासा किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

तंबाकू न देने पर मनबढ़ों ने दो दोस्तों को पीटा

गोरखपुर, संवाददाता। शाहपुर इलाके के खजांची चौराहे के पास शनिवार रात तंबाकू मांगने पर मनबढ़ों ने दो दोस्तों को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर शाहपुर पुलिस ने गुलरिहा इलाके के सेमरा निवासी हसन और जीतू श्रीवास्तव के खिलाफ एससी–एसटी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही हैं। शाहपुर इलाके के मानस विहार कॉलोनी निवासी रोहित शुक्ला और अक्षय कुमार शनिवार रात आठ बजे खजांची चौराहे के पास घरेलू सामान लेने गए थे। वहां रोहित के परिचित हसन और जीतू मिले। आरोप है कि दोनों ने रोहित से सुरती (तंबाकू) मांगा, इन्कार करने पर आरोपी गाली देने लगे। पीड़ितों ने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने मिलकर ईंट और मुक्कों से मार पीटकर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

पति रामलीला देखकर घर लौटा, फंदे से झूलती मिली पत्नी

गोरखपुर, संवाददाता। पिपराइच के बेला काटा निवासी शिव अवतार की पत्नी संजना वर्मा की संदिग्ध हालात में सोमवार रात घर में ही साड़ी के फंदे से लटकता शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बेला काटा गांव निवासी शिव अवतार की शादी तीन वर्ष पहले संजना वर्मा से हुई थी। इस बीच एक बच्ची भी हुई। सोमवार रात में शिव अवतार, संजना से बताकर पास के गांव में रामलीला देखने गया था। करीब दो बजे रात में जब वह घर आया तो देखा पत्नी गले में साड़ी का फंदा लगाकर कुंडी से लटकी हुई थी। इधर, अचानक संजना की मौत पर अब सवाल उठ रहे हैं, लोग इसे सामान्य नहीं मान रहे हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत की सही वजह पता चल पाएगी।

मासूम को इंसाफ दिलाने वाले दरोगा सम्मानित

गोरखपुर, संवाददाता। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बच्ची से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दारोगा को सोमवार की सुबह अपने कार्यालय में बुलाकर प्रशस्ति पत्र दिया। चिलुआताल थाने में तैनात दारोगा शैलेंद्र कुमार ने बच्ची से दुष्कर्म करने वाले के विरुद्ध 11 दिन में विवेचना पूर्ण करके न्यायालय में रिपोर्ट भेजी थी। 20 दिन में डीएनए रिपोर्ट प्रेषित कर दी। केस के सभी पांच गवाह मुकर गए थे। न्यायालय ने डीएनए रिपोर्ट के आधार पर आरोपी कृष्णा उर्फ कन्हैया को आजीवन कारावास की सजा सुनाने के साथ ही 50 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

वारंट में छेड़छाड़ कर किया चालान. ..दरोगा और दीवान भेजे गए जेल

कुशीनगर, संवाददाता। वारंट में कूटरचना कर पीड़ित का चालान करने वाले दरोगा और दीवान को कोर्ट ने जेल भेज दिया। गैर जमानती वारंट जारी कर कोर्ट ने वेतन बाधित किया तो दरोगा और दीवान सोमवार को हाजिर हुए। कोर्ट ने न्यायिक अभिरक्षा में दोनों को जेल भेज दिया। दरोगा बस्ती में डीसीआरबी प्रभारी है जबकि दीवान महराजगंज जिले के निचलौल थाने में तैनात है। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के इंदरपुर गांव निवासी कपिलदेव कुमार 10 फरवरी वर्ष 2019 को अपने कुआं और नाली की सफाई कर रहे थे। गांव के कुछ लोगों ने उनकी पिटाई कर दी थी। कपिलदेव की अंगुली टूट गई थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत थाने में की, लेकिन कार्रवाई के बजाए पुलिस ने पीड़ित का शांतिभंग में चालान कर दिया था। एसडीएम कोर्ट में लंबित शांतिभंग के मुकदमे में तारीख पर नहीं जाने पर 12 अप्रैल 2019 को अगली तारीख पर उपस्थित होकर पक्ष रखने के लिए एसडीएम कोर्ट ने 29 मार्च 2019 को वारंट (बीडब्ल्यू) जारी किया था। कप्तानगंज थाने में तैनात दरोगा भगवान सिंह और दीवान सोमदेव यादव ने जमानती वारंट में कूटरचना कर गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) बना दिया और 31 मार्च 2019 आधी रात को घर से कपिलदेव और इसकी पत्नी को गिरफ्तार कर चालान कर दिया था। पीड़ित कपिलदेव ने अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायालय एससीएसटी एक्ट सुनील कुमार यादव के यहां परिवाद दाखिल किया था। साक्ष्य के आधार पर आरोपी दरोगा और दीवान को कोर्ट ने समन जारी किया।

पराली जलाने पर 15 हजार लगेगा जुर्माना

कुशीनगर, संवाददाता। धान की कटाई शुरू हो गई है। इसके बाद किसान तुरंत गेहूं की बुआई शुरू कर देंगे। कुछ किसान पराली को खेतों में जला देते हैं। इससे खेतों में मौजूद मित्र कीट नष्ट हो जाते हैं। खेत की उर्वरता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसे रोकने के लिए जुर्माना की रकम बढ़ाकर 15 हजार रुपये कर दी गई है। कृषि उप निदेशक आशीष कुमार ने बताया कि किसानों को खेतों में पराली न जलाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके अलावा पराली जलाने वाले किसानों पर जुर्माना लगाया जाता है। उन्होंने बताया कि पराली जलाने के दोषी पाए जाने पर किसानों पर ढाई हजार नहीं, अब 15,000 रुपये जुर्माना लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि पराली जलने की घटना की निगरानी ग्राम पंचायत स्तर तक गठित सचल दस्तों एवं सेटेलाइट के माध्यम से की जाएगी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।